सच कहने की ताकत

साप्ताहिक समाचार पत्र

जालंधर ब्रीज

जल है तो कल है

www.jalandharbreeze.com • JALANDHAR BREEZE • WEEKLY • YEAR-6 • 11 APRIL TO 17 APRIL 2025 • VOLUME 37 • PAGE-4 • RATE-3.00/- • RNI NO.: PUNHIN/2019/77863

प्रेरणा

"जो अपने विचारों को बदल सकता है, वह अपनी दुनिया को बदल सकता है।"

Lic No : 933/ALC-4/LA/FN:1184

INNOVATIVE TECHNO INSTITUTE

CONSULTING DESIGN TRAINING

ISO CERTIFIED 2015 COMPANY

CONFUSED ABOUT CAREER!

Unsure of what to do after 10th/12th/Graduation?

Whether to Study in India or Abroad?

What should I do after 10th-Science, Commerce or Arts?

Should I consider Computer or Mechanical Engineering?

What is better for me - MBA in Marketing or MBA in Finance?

Should I pursue Chartered Accountancy or Law after 12th?

Do I have the aptitude for Architecture and Designing?

Get Career Guidance from our Expert Career Counseling Team Free of Cost

E-mail : hr@innovativetechin.com • Website : www.innovativetechin.com • FB/Innovativetechin • Contact :9317776662, 9317776663

REGIONAL OFFICE : S.C.O No. 10 Gopal Nagar, Near Batra Palace, Jal. HEAD OFFICE : S.C.O No. 21-22, Kuldip Lal Complex, Highway Plaza GT Road, Adjoining Lovely Professional University. Phagwara.

*T&C apply

भारत लाया गया मुंबई हमले का मास्टरमाइंड तहव्वुर राणा

यूएपीए व अन्य धाराओं के तहत हुई गिरफ्तारी, फांसी की हो रही मांग

नई दिल्ली. मुंबई हमले के मास्टरमाइंड तहव्वुर राणा को स्पेशल विमान से भारत लाया गया। पाकिस्तानी मूल के कनाडाई नागरिक 64 वर्षीय तहव्वुर राणा के भारत लाए जाने के बाद एनआईए की स्पेशल कोर्ट में केस चलेगा। तहव्वुर राणा को आईपीसी की धारा 120बी, 121, 121ए, 302, 468, 471 और यूएपीए के सेक्शन 16,18 और 20 के तहत गिरफ्तार किया गया है। एनआईए ने इस मामले में 11 नवंबर 2009 को केस दर्ज किया था। दिल्ली और मुंबई की जेल में तहव्वुर के लिए हाई सिक्योरिटी की व्यवस्था की गई है। उसके लिए फांसी की मांग की जा रही है। तहव्वुर राणा को भारत लाए जाने को मोदी सरकार की बड़ी कूटनीतिक जीत मानी जा रही है। तहव्वुर राणा पाकिस्तानी सेना में डॉक्टर रह चुका है। इसने अपने बचपन के दोस्त की मदद से मुंबई में हुए आतंकी हमले को अंजाम दिया था। तहव्वुर राणा पाकिस्तान के पंजाब प्रांत में एक स्कूल प्रिंसीपल के घर पैदा हुआ। तहव्वुर राणा ने मिलिट्री स्कूल में पढ़ाई की तो हथियारों की तालीम उसे वहीं मिल गई। उसके बाद उसने सेना में डॉक्टर की नौकरी की। 1997 में तहव्वुर राणा कनाडा चला गया और चार साल बाद उसे कनाडा की नागरिकता भी मिल गई। इसके बाद तहव्वुर राणा ने अमेरिका में भी अपना काम फैलाया। यहां एक इमीग्रेशन सेंटर और कसाईखाना खोला। लेकिन ये सब दिखावा था औऱ तहव्वुर राणा का असली

काम तो कुछ और ही था। अमेरिका में बिजनेस के नाम पर तहव्वुर राणा क्या कर रहा था ये तो 2009 में पता चला यानी 2008 के मुंबई हमलों के बाद। अमेरिका की सुरक्षा एजेंसियों ने डेनमार्क के एक अखबार पर हमले की प्लानिंग के आरोप में तहव्वुर राणा और उसके दोस्त डेविड हेडली को गिरफ्तार कर लिया। जब पूछताछ हुई तो इसी दौरान पता चला कि मुंबई में हुए आतंकी हमले को डेविड हेडली और तहव्वुर राणा ने करवाया था। वहीं, तहव्वुर राणा के मुंह खोलने से पहले ही पाकिस्तान ने उसे कनाडा का नागरिक बता दिया। पाकिस्तान ने कहा है कि तहव्वुर राणा ने पिछले दो दशकों से अपना पासपोर्ट रिन्यू नहीं करवाया। इसलिए उससे हमारा कोई लेना-देना नहीं। वो तो कनाडा का नागरिक है यानी अब तहव्वुर राणा जो कुछ बोलेगा उसका जवाब कनाडा को देना होगा।

आतंकियों पर भारत के तगड़े एक्शन से खुश हुआ इजरायल

इजराइल ने 26/11 के साजिशकर्ता तहव्वुर राणा के भारत प्रत्यर्पण का स्वागत किया। भारत में इजराइल के राजदूत रूवेन अजार ने एक आधिकारिक बयान जारी कर इस घटनाक्रम का स्वागत किया। अजार ने एक वीडियो संदेश में कहा कि मैं आतंकवादियों को न्याय के कटघरे में लाने के लिए भारत सरकार की दृढ़ता के लिए धन्यवाद देना चाहता हूं। पाकिस्तानी मूल के 64 वर्षीय कनाडाई नागरिक राणा को लॉस एंजिलिस के 'मेट्रोपोलिटन डिटेंशन सेंटर' में रखा गया था। 26 नवंबर 2008 को 10 पाकिस्तानी आतंकवादियों के एक समूह ने अरब सागर में समुद्री मार्ग से भारत की वित्तीय राजधानी मुंबई में घुसपैठ करने के बाद एक रेलवे स्टेशन, दो आलीशान होटलों और एक यहूदी केंद्र पर हमला किया था। मुंबई आतंकवादी हमलों में छह अमेरिकियों समेत कुल 166 लोग मारे गए थे।

2019 में प्रधानमंत्री पीएम मोदी ने स्पष्ट किया था कि अगर कोई भारत की एकता, अखंडता, सुरक्षा या किसी भी निर्दोष नागरिक पर हमला करेगा, तो भारत उसे पाताल से भी खोजकर न्याय के दरवाजे तक लाएगा। तहव्वुर राणा अब भारत की धरती पर लाया जा चुका है और एनआईए की अदालत में उसके जुर्मों का हिसाब होगा। ऐसे में पीएम मोदी का ये पुराना बयान खूब वायरल हो रहा है।

वक्फ कानून को लेकर मुस्लिम समुदाय की चिंताओं को दूर करने के लिए बीजेपी शुरू करेगी अभियान

नई दिल्ली. वक्फ कानून को लेकर बढ़ते विवाद के बीच बीजेपी मुस्लिम समुदाय की चिंताओं को दूर करने के लिए एक अभियान शुरू करने की योजना बना रही है। पार्टी के नेता घर-घर जाकर कानून के फायदे बताएंगे और विपक्ष के दावों का खंडन करेंगे। भाजपा वक्फ (संशोधन) अधिनियम के लाभों का प्रचार करने और विपक्ष की आलोचना का मुकाबला करने के लिए विशेष रूप से मुसलमानों को ध्यान में रखते हुए 20 अप्रैल से एक पखवाड़े तक जन जागरूकता अभियान शुरू करेगी, जिसमें पार्टी अध्यक्ष जेपी नड्डा और अल्पसंख्यक मामलों के मंत्री किरेन रिजिजू गुरुवार को अपने प्रतिनिधियों को संबोधित करेंगे। पार्टी के ताजा निर्देश में कहा गया है कि प्रत्येक सांसद और

विधायक अपने निर्वाचन क्षेत्र में कम से कम एक संवादात्मक बैठक करेंगे। पत्र में कहा गया है कि देश के गतिशील और दूरदर्शी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार द्वारा संसद के दोनों सदनों में स्वस्थ और व्यापक चर्चा के बाद लाए गए वक्फ (संशोधन) विधेयक और मुस्लिम वक्फ (निरसन) विधेयक का पारित होना ऐतिहासिक है, इससे देश में खुशी का माहौल है। पत्र में प्रधानमंत्री के हवाले से कहा गया है कि यह कानून सामाजिक-आर्थिक न्याय, पारदर्शिता और समावेशी विकास के लिए सामूहिक प्रयास लाता है।

देशभर से भाजपा पदाधिकारियों ने एक कार्यशाला में भाग लिया, जिसमें नड्डा ने विपक्षी दलों पर वोट बैंक की राजनीति के तहत संशोधित कानून के प्रावधानों पर मुसलमानों को गुमराह करने का आरोप लगाया। पार्टी सूत्रों ने बताया कि उन्होंने जोर देकर कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार वक्फ की संपत्तियों के पारदर्शी और कुशल प्रबंधन के साथ इसके प्रबंधन और कल्याण कार्यक्रमों में 'पसमांदा (पिछड़े)' मुसलमानों और महिलाओं को हिस्सेदार बनाने के लिए प्रतिबद्ध है।

पंजाब पुलिस ने 6 जिलों की जेलों में चलाया तलाशी अभियान

• **जालंधर ब्रीज.** चंडीगढ़

'युद्ध नशों के विरुद्ध' अभियान को 41वें दिन भी जारी रखते हुए पंजाब पुलिस ने वीरवार को 84 नशा तस्करों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से 2.5 किलो हेरोइन, 86 किलो भुक्की और 70,400 रुपये की ड्रग मनी बरामद की है। इसके साथ ही 41 दिनों में गिरफ्तार किए गए नशा तस्करों की कुल संख्या 5621 हो गई है। यह ऑपरेशन पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) पंजाब गौरव यादव के निर्देशों पर राज्य के सभी 28 पुलिस जिलों में एक साथ चलाया गया। स्पेशल डीजीपी लॉ एंड ऑर्डर अर्पित शुक्ला ने बताया कि 86 गजटेड अधिकारियों की निगरानी में 1200 से अधिक पुलिस कर्मचारियों वाली 200

से अधिक पुलिस टीमों ने राज्य भर में 452 स्थानों पर छापेमारी की, जिसके तहत राज्य भर में 49 एफआईआर दर्ज की गईं। उन्होंने बताया कि पुलिस टीमों ने पूरे दिन चले ऑपरेशन के दौरान 482 संदिग्ध व्यक्तियों की जांच भी की। स्पेशल डीजीपी ने बताया कि पंजाब सरकार द्वारा राज्य से नशों के खात्मे के लिए तीन-स्तरीय रणनीति - इंफोर्समेंट, नशामुक्ति और रोकथाम (ईडीपी) - लागू की गई है और पंजाब पुलिस द्वारा इस रणनीति के नशामुक्ति भाग के तहत 2 व्यक्तियों को नशा छुड़ाने और पुनर्वास के लिए प्रेरित किया गया है।

इस दौरान पंजाब पुलिस ने जेलों में गैरकानूनी गतिविधियों को रोकने के लिए छह जिलों - बठिंडा, मानसा, बरनाला, पटियाला, संगरूर और एसएएस नगर की विभिन्न जेलों में तलाशी अभियान भी चलाया। स्पेशल डीजीपी अर्पित शुक्ला ने कहा कि हमारी पुलिस टीमों ने जेल परिसरों में बैरकों, रसोई और शौचालयों समेत कोने-कोने की गहन तलाशी ली।

20 करोड़ के मनी लॉन्ड्रिंग मामले में ईडी ने केरल के पूर्व विधायक को किया गिरफ्तार

तिरुवनंतपुरम. प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने केरल के पूर्व विधायक एमसी कमरुद्दीन और उनके सहयोगी टीके पूकोया थंगल को 20 करोड़ रुपये की कथित धोखाधड़ी से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले में गिरफ्तार किया है। मंजेश्वरम निर्वाचन क्षेत्र के पूर्व प्रतिनिधि और इंडियन यूनियन मुस्लिम लीग (आईयूएमएल) के नेता कमरुद्दीन फैशन गोल्ड ग्रुप कंपनियों के अध्यक्ष भी रह चुके हैं। पूकोया थंगल इसी फर्म के प्रबंध निदेशक हैं।

ईडी के अनुसार, निवेशकों से धोखाधड़ी की कई शिकायतों की जांच के बाद 7 अप्रैल को गिरफ्तारियां की गईं। दोनों को मंगलवार को कोझिकोड में धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) की विशेष अदालत में पेश किया गया, जिसने आगे की जांच के लिए एजेंसी को दो दिन की हिरासत में दे दिया। ईडी ने कहा कि यह मामला केरल के कन्नूर और कासरगोड जिलों में पुलिस द्वारा दर्ज 168 एफआईआर पर आधारित है। इन एफआईआर में फैशन गोल्ड कंपनियों, कमरुद्दीन, थंगल और अन्य पर निवेशकों को धोखा देने का आरोप लगाया गया है। कथित तौर पर कंपनी ने उच्च रिटर्न का लालच देकर जनता से बड़ी मात्रा में धन एकत्र किया।

कानूनी प्रतिबंधों को दरकिनार करने के लिए आरोपियों ने एकत्रित धन को शेयर पूंजी और कंपनी के अग्रिमों में निवेश के रूप में पेश किया। एकत्रित धन का उपयोग करके, आरोपियों ने इन व्यक्तियों के नाम पर अचल संपत्तियां खरीदीं। ईडी का कहना है कि धोखाधड़ी वाली निवेश योजना के माध्यम से कुल 20 करोड़ रुपये की हेराफेरी की गई।

प्रधानमंत्री आज जाएंगे वाराणसी, 3880 करोड़ रुपये की 44 परियोजनाओं का करेंगे शुभारंभ

नई दिल्ली. पीएम मोदी अपने संसदीय क्षेत्र वाराणसी को एक बड़ा तौहफा देने जा रहे हैं। नरेन्द्र मोदी शुक्रवार को अपने संसदीय क्षेत्र वाराणसी का दौरा करेंगे और एक जनसभा को संबोधित करेंगे। वह इस दौरान 3,880 करोड़ रुपये की 44 परियोजनाओं का उद्घाटन एवं शिलान्यास करेंगे। वाराणसी के संभागीय आयुक्त कौशल राज शर्मा ने कहा कि जिन परियोजनाओं का उद्घाटन किया जाएगा उनमें ग्रामीण विकास पर केंद्रित योजनाएं शामिल हैं, जिनमें 130 पेयजल परियोजनाएं, 100 नए आंगनवाड़ी केंद्र, 356 पुस्तकालय, पिंडरा में एक पॉलिटेक्निक कॉलेज और एक सरकारी डिग्री कॉलेज शामिल हैं। उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री पुलिस लाइन में 'ट्रांजिट हॉस्टल' और रामनगर में पुलिस बैरक तथा चार ग्रामीण सड़कों का भी उद्घाटन करेंगे। शहरी विकास पर ध्यान केंद्रित करते हुए मोदी शास्त्री घाट और सामने घाट पर परियोजनाओं का उद्घाटन करेंगे, साथ ही रेलवे और

वाराणसी विकास प्राधिकरण (वीडीए) द्वारा किए गए विभिन्न सौंदर्यीकरण परियोजनाओं का भी उद्घाटन करेंगे। जिन परियोजनाओं की आधारशिला रखी जाएगी, उनमें से 25 परियोजनाएं 2,250 करोड़ रुपये की हैं, जिनका मुख्य उद्देश्य शहर के बिजली ढांचे को मजबूत करना है।

उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री तीन नए फ्लाईओवर के साथ-साथ विभिन्न सड़क चौड़ीकरण पहल और स्कूल नवीनीकरण कार्य और शिवपुर और 'यूपी कॉलेज' में दो स्टेडियम की आधारशिला रखेंगे।

प्राइवेट स्कूलों और भाजपा के बीच सांठ-गांठ, अब हर साल बढ़ेगी 10 प्रतिशत फीस : आतिशी

नई दिल्ली. दिल्ली में हाल ही में स्कूल फीस बढ़ोतरी को लेकर राजनीतिक घमासान थमने का नाम नहीं ले रहा। विपक्ष की नेता आतिशी ने

आरोप लगाया कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) निजी स्कूलों को सालाना 10 प्रतिशत फीस बढ़ाने का अनियंत्रित अधिकार देने की मंशा रखती है। दिल्ली के शिक्षा मंत्री आशीष सूद के कार्यालय ने इन दावों का खंडन किया। आतिशी ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा कि दिल्ली भर में अभिभावक इस बात से घबराए हुए हैं कि निजी स्कूलों ने अपनी फीस में काफी वृद्धि कर दी है। कई स्कूलों ने फीस में 30, 40, 50 और 60 प्रतिशत की वृद्धि की है और कुछ मामलों में तो 80 प्रतिशत तक की वृद्धि की है।

भाजपा पर निजी संस्थानों के साथ मिलीभगत का आरोप लगाते हुए उन्होंने कहा कि रविवार, 6 अप्रैल को दोपहर 1 बजे शिक्षा मंत्री आशीष सूद के आवास पर शीर्ष निजी स्कूल मालिकों के साथ एक बैठक हुई। इस बैठक में स्कूलों को आश्वासन दिया गया कि फीस बढ़ोतरी के खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं की जाएगी और भाजपा के नेतृत्व वाली दिल्ली सरकार जल्द ही एक आदेश जारी करेगी, जिसमें निजी स्कूलों को सालाना 10 प्रतिशत फीस बढ़ाने की अनुमति होगी। दिल्ली में बेलगाम फीस बढ़ने का कारण है प्राइवेट स्कूलों और भाजपा की साँठ-गाँठ है।

वहीं, आतिशी ने एक्स पोस्ट में लिखा कि इस साँठ-गाँठ के सूत्रधार हैं भरत अरोड़ा। ये प्राइवेट स्कूलों की संस्था 'एक्शन कमेटी फॉर प्राइवेट स्कूल्स' के चेयरमैन हैं और सालों से फीस की बढ़ोतरी के लिए लड़ते आए हैं। यह भाजपा के पदाधिकारी हैं, और रेखा गुप्ता जी के चुनाव प्रचार में प्रमुखता से शामिल थे। मैंने मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता जी को पत्र लिख कर तुरंत प्रभाव से बढ़ी हुई फीस रोकने की माँग की है। साथ भरत अरोड़ा के अनुचित प्रभाव की जाँच की भी माँग की है।

सार्वभौमिक मानव मूल्यों पर तीन दिवसीय प्रबंधन विकास कार्यक्रम एनआईटीटीटीआर चंडीगढ़ में शुरू

अपने काम और अपने संस्थान की जिम्मेदारी लें : प्रो. राजीव आहूजा

एआईसीटीई अध्यक्ष बोले- शिक्षा में सार्वभौमिक मानवीय मूल्य एक विकल्प नहीं, बल्कि अनिवार्यता है

• **जालंधर ब्रीज.** चंडीगढ़

सार्वभौमिक मानव मूल्यों (यूएचवी) पर 3 दिवसीय प्रबंधन विकास कार्यक्रम गुरुवार 10 अप्रैल को राष्ट्रीय तकनीकी शिक्षक प्रशिक्षण एवं अनुसंधान संस्थान (एनआईटीटीटीआर) चंडीगढ़ में शुरू हुआ। कार्यक्रम का उद्देश्य राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 द्वारा मानवीय मूल्यों पर नए सिरे से ध्यान केंद्रित करना है और यूएचवी और समग्र, मूल्य आधारित शिक्षा को पूरी भावना से आगे बढ़ाने के लिए शैक्षणिक संस्थानों की प्रतिबद्धता को और मजबूत करना है। कार्यक्रम का उद्घाटन आईआईटी रोपड़ के निदेशक प्रो. राजीव आहूजा

ने एआईसीटीई के अध्यक्ष प्रो. टी. जी. सीताराम (जो इस कार्यक्रम में वर्चुअल माध्यम से शामिल हुए), एनआईटीटीटीआर चंडीगढ़ के निदेशक प्रो. भोला राम गुर्जर, आईके गुजराल पंजाब तकनीकी विश्वविद्यालय जालंधर के कुलपति प्रो. सुशील मित्तल और पंजाब विश्वविद्यालय तथा हिमाचल प्रदेश तकनीकी विश्वविद्यालय, हमीरपुर, हिमाचल प्रदेश के अन्य वरिष्ठ शिक्षाविदों की उपस्थिति में किया। कार्यक्रम में 150 से अधिक प्रतिभागी, विशेष रूप से उत्तर-पश्चिमी भारत के 10 राज्यों के विश्वविद्यालयों के कुलपति और एआईसीटीई/यूजीसी अनुमोदित संस्थानों के निदेशक/प्राचार्य भाग ले रहे हैं।

शिक्षक वर्ग को संबोधित करते हुए मुख्यातिथि एवं आईआईटी रोपड़ के निदेशक प्रो. राजीव आहूजा ने शिक्षकों के प्रति सहानुभूति रखने तथा नैतिक एवं नैतिक तरीके से उत्कृष्टता प्राप्त करने की आवश्यकता पर बल दिया। कार्य के प्रति कर्मचारियों की ईमानदारी के बारे में बोलते हुए निदेशक ने सभी से अपने कार्य और जिस भी संस्थान से वे जुड़े हैं, उसके प्रति जिम्मेदारी लेने का आह्वान करते हुए कहा कि विकास के लिए यह आवश्यक है।

निदेशक ने सवाल किया कि हम इतने व्यक्तिवादी क्यों होते जा रहे हैं? उन्होंने कहा कि नोबेल पुरस्कार नामांकन के माध्यम से दिया जाता है और भारत से बहुत कम नामांकन भेजे जा रहे हैं, क्योंकि लोग अपने सहयोगियों के नाम नामांकित नहीं कर रहे हैं। उन्होंने शिक्षकों से कहा, "जब आप शिक्षा जगत में होते हैं, तो आप राष्ट्र निर्माण के लिए कार्य कर रहे होते हैं, हमें अच्छे शिक्षक तैयार करने होंगे, ताकि समाज में अच्छे मूल्यों का सृजन हो सके।"

कार्यक्रम के मुख्य संरक्षक और एआईसीटीई के अध्यक्ष प्रो. टी.जी. सीताराम ने कहा कि व्यापार, युद्ध, कृत्रिम बुद्धिमत्ता (आर्टिफिशियल इंटेलिजेंसी) जैसे तकनीकी विकास और भौतिक युद्धों से जूझ रहे विश्व को नैतिक नेतृत्व के साथ फिर से जुड़ने की आवश्यकता है। इसके लिए सार्वभौमिक मानवीय मूल्यों का विकास आवश्यक हो गया है। उन्होंने ने कहा कि हमारे विद्यार्थियों और सभी युवाओं में नैतिक साहस, जिम्मेदारी और ईमानदारी की भावना पैदा करने की जरूरत है।

एआईसीटीई अध्यक्ष ने कहा कि शिक्षा में यूएचवी एक विकल्प नहीं है, बल्कि एक अनिवार्यता है और एक मजबूत आधार एक ऐसे समाज के निर्माण के लिए आवश्यक है जो न केवल समृद्ध हो बल्कि मानवीय भी हो।

सुप्रीम कोर्ट के फैसले पर टिप्पणी करने पर ममता बनर्जी को अवमानना नोटिस

कोलकाता. पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी को एसएससी (स्कूल सेवा आयोग) भर्ती घोटाले के संबंध में सुप्रीम

कोर्ट के फैसले की आलोचना करने वाली उनकी हालिया टिप्पणियों के लिए अवमानना नोटिस जारी किया गया है। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने कोलकाता के नेताजी इंडोर स्टेडियम में बर्खास्त शिक्षकों के एक वर्ग से मुलाकात की और उनका समर्थन करने की कसम खाई और आश्वासन दिया कि योग्य उम्मीदवार बेरोजगार नहीं रहेंगे। यह घटनाक्रम सुप्रीम कोर्ट द्वारा 2016 के पश्चिम बंगाल स्कूल सेवा आयोग (डबल्यूबीएसएससी) भर्ती के माध्यम से की गई 25,752 स्कूल नौकरियों की नियुक्तियों को रद्द करने के फैसले को बरकरार रखने के कुछ दिनों बाद हुआ है।

पश्चिम बंगाल की सीएम ममता ने सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बाद पश्चिम बंगाल सरकार द्वारा संचालित और सहायता प्राप्त स्कूलों में शिक्षण और गैर-शिक्षण कर्मचारियों के रूप में अपनी नौकरी खोने वाले लोगों को संबोधित करते हुए कहा कि कृपया यह मत समझिए कि हमने इसे स्वीकार कर लिया है। हम पत्थर दिल नहीं और ऐसा कहने के लिए मुझे जेल भी हो सकती है, लेकिन मुझे इसकी परवाह नहीं। ममता बनर्जी ने सुप्रीम कोर्ट के फैसले पर सवाल उठाए हैं। उन्होंने बंगाल की शिक्षा व्यवस्था को बर्बाद करने की साजिश बताया है।

ट्रैवलर्स को जरूर पता होने चाहिए भारतीय रेलवे के ये 5 नियम

• **जालंधर ब्रीज.** फीचर

TEVELLING **भारतीय रेलवे में रोजाना लाखों लोग ट्रैवल करते हैं। लेकिन बहुत से लोग रेलवे के नियमों को नहीं जानते। अगर आप अक्सर ट्रेन में यात्रा करते हैं तो आपको भारतीय रेलवे के इन 5 बेसिक नियमों के बारे में जरूर जानना चाहिए।**

ट्रेन से यात्रा करना बच्चों से लेकर बड़ों तक को पसंद होता है। भारतीय रेलवे बहुत बड़ा रेल नेटवर्क है। जिसमें लाखों लोग रोजाना यात्रा करते हैं। ऐसे में इंडियन रेलवे के कुछ नियम है जिससे सभी यात्रियों को आरामदायक यात्रा करने का मौका मिलता है। अगर आप ट्रेन में यात्रा करते हैं तो आपको इन 5 भारतीय रेलवे नियमों के बारे में पता होना चाहिए।

1) ट्रेन में सामान ले जाने का नियम

फ्लाइट की तरह ही भारतीय रेलवे में भी सामान ले जाने के नियम हैं? अगर आप एसी कोच से ट्रेन में यात्रा कर रहे हैं, तो आप 70 किलो सामान ले जा सकते हैं, स्लीपर क्लास में 40 किलो और सेकंड क्लास में 35 किलो सामान लेकर जा सकते हैं।

2) मिडिल बर्थ रुल

अगर आपको ट्रेन में मिडिल बर्थ दी गई है। तो आप अपनी बर्थ पर रात 10 बजे से सुबह 6 बजे तक खोल सकते हैं। आप अपनी बर्थ पर इस टाइम से ज्यादा नहीं सो सकते।

3) वेटिंग लिस्ट टिकट ट्रैवल रुल

वेटिंग लिस्ट वाली टिकट होने पर अक्सर लोग कंफ्यूज रहते हैं कि इस टिकट से यात्रा कर सकते हैं या नहीं। वेटिंग लिस्ट टिकट के साथ आप ट्रैवल कर सकते हैं अगर इसे पीआरएस काउंटर से खरीदा है। वहीं वेटिंग की ई-टिकट होने पर ट्रेन में चढ़ने की इजाजत नहीं होती है क्योंकि रेलवे चार्ट तैयार होने के बाद अगर टिकट वेटिंग में ही रहती है तो वह अपने आप कैंसिल हो जाती है और टिकट के रुपये वापस आ जाते हैं।

4) भारतीय रेलवे का रात 10 बजे के बाद का नियम

भारतीय रेलवे में टीटीई रात 10 बजे के बाद आपका टिकट चेक करने नहीं आ सकता। इसके अलावा रात में 10 बजे के बाद नाइट लाइट को छोड़कर सभी लाइटें बंद होनी चाहिए।

5) ट्रेन के दो स्टेशन पर चढ़ने के नियम

अगर आप अपने निर्धारित बोर्डिंग पॉइंट पर ट्रेन से चूक जाते हैं। तो वे तब तक ट्रेन में चढ़ सकते हैं जब तक कि वह दो रेलवे स्टेशन पार न कर ले।

WAKE UP

सुबह उठते ही अगर ये 7 काम कर लिया तो जीवनभर मोटिवेटेड रहेंगे

लाइफ में सफल होने के लिए पॉजिटिव विचारों के साथ ही मोटिवेशन की भी जरूरत होती है। अगर आप सुबह उठकर इन 7 कामों को करना शुरू कर देंगे तो कुछ ही दिनों में मन से मोटिवेशन फील करेंगे।

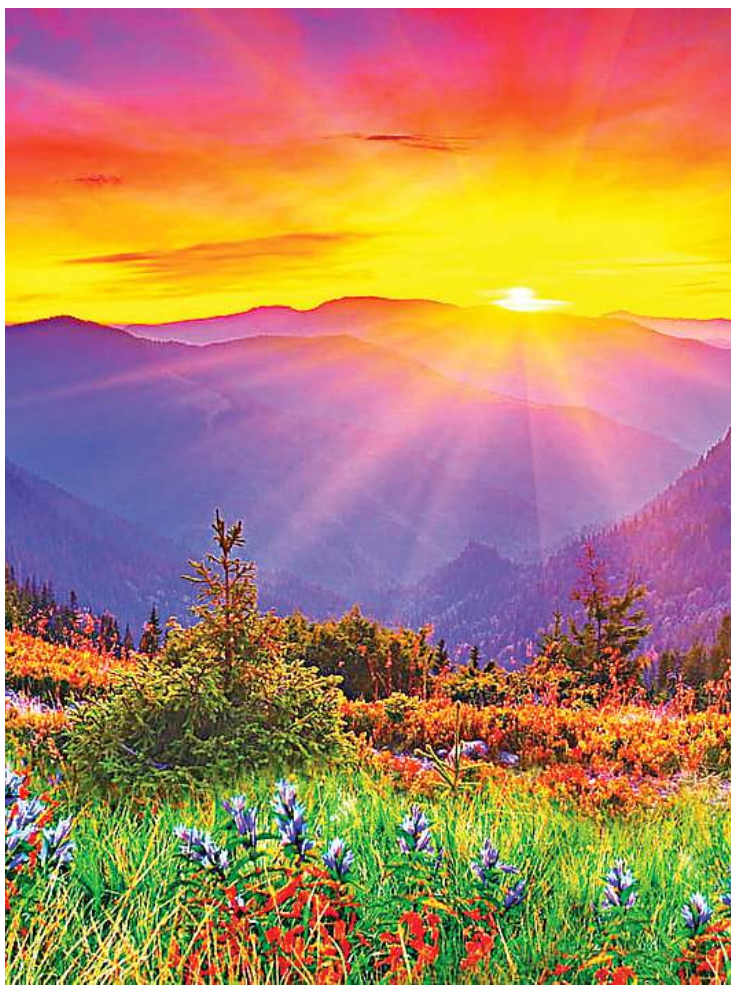

• **जालंधर ब्रीज .** फीचर

लाइफ में सफल होने के लिए मन में पॉजिटिव बातों और मोटिवेशन का होना जरूरी है। हमारे आसपास चाहे जितने भी पॉजिटिव लोग हों जो हमें मोटिवेट कर रहे हों लेकिन मन में अगर मोटिवेशन नहीं है तो आप आगे नहीं बढ़ सकते हैं। इसी बात का ठीक उल्टा भी हो सकता है कि अगर मन में आपके मोटिवेशन है तो आप कठिन परिस्थितियों से निकलकर सक्सेज हासिल कर लेंगे। अगर आप लगातार फेलियर का सामना कर रहे हैं या लाइफ में मोटिवेशन की कमी महसूस कर रहे तो सुबह उठने के साथ ही इन 7 कामों को करना शुरू कर दें। कुछ ही दिनों में आपके मन में पॉजिटिव सोच और मोटिवेशन आना शुरू हो जाएंगे। मॉर्निंग हैबिट्स का मतलब केवल सुबह उठना ही नहीं बल्कि उसके साथ ये 7 तरह के काम करना भी है। तो चलिए जानें कैसे 7 मॉर्निंग हैबिट्स आपको मोटिवेशन दे सकते हैं।

दिन की शुरुआत भगवान को शुक्रिया कहने के साथ : अपने दिनभर के काम को याद कर सुबह उठना तो बहुत आसान है। लेकिन ये कामों की लिस्ट आपको बिना बिस्तर से उठे ही आलस और थकान से भर देती है। इसलिए सबसे पहले भगवान को थैंक्यू कहना शुरू करें। भगवान को बहुत छोटी सी बात के लिए भी ग्रेटीट्यूड जाहिर करें और धन्यवाद करें। ऐसा करने से आपके मन में पॉजिटिव एनर्जी का संचार होगा और मन में भारीपन नहीं लगेगा।

एक्सरसाइज करना शुरू करें : सुबह की शुरुआत एक्सरसाइज के साथ करें। शुरू में मात्र 5 मिनट की एक्सरसाइज भी आपके मन और तन पर असर डालेगी। धीरे-धीरे ये एक्सरसाइज अपने आप बढ़कर 30 मिनट की हो जाएगी और रूटीन बन जाएगा।

बॉडी को हाइड्रेट जरूर करें : लगातार 7-8 घंटे सोने के बाद जब सुबह उठे तो बॉडी को एनर्जी देने के लिए पानी जरूर पिएं। ऐसा करने से ना केवल मेटाबॉलिज्म बढ़ता है बल्कि टॉक्सिस भी आसानी से बाहर निकलते हैं। तो सुबह की शुरुआत चाय या कॉफी की बजाय पानी के साथ करें।

काम की लिस्ट बनाएं : इन सारे कामों से माइंड को रिफ्रेश करने के बाद दिनभर के कामों की लिस्ट बनाएं और उसमे पहले करने वाले काम को भी लिख लें।

स्क्रीन से दूरी : सुबह उठने के साथ ही टीवी, मोबाइल, लैपटॉप जैसी चीजों से दूर रहें। टाइम देखने के लिए घड़ी का इस्तेमाल करें और कुछ लिखने के लिए पेन-कागज। इससे आप गैरजरूरी मैसेज, मेल्स और सोशल मीडिया पर समय नहीं बर्बाद कर पाएंगे और स्ट्रेस से बचे रहेंगे।

ब्रेकफास्ट हो हेल्दी : ब्रेकफास्ट लेना जरूरी है और साथ ही ये हेल्दी हो। स्प्राउट्स, फ्रूट्स, नट्स जैसे फूड्स को ब्रेकफास्ट में शामिल करें। ये आपके बॉडी के साथ ब्रेन को एनर्जी देगा और दिनभर काम करना आसान हो जाएगा।

एक बार में एक काम करें : जब भी किसी काम को करें तो केवल उस काम को करें और दूसरी चीजों को माइंड में ना आने दें। ऐसा करने से आप ना केवल गलतियां करने से बचेंगे बल्कि समय भी बर्बाद नहीं होगा और काम में ज्यादा एक्यूरेसी बनी रहेगी।

डिस्क्लेमर : *यह लेख मात्र सामान्य जानकारी के लिए है। किसी भी प्रयोग से पहले विशेषज्ञ की राय अवश्य लें।*

ताजी सब्जियां खरीदने के लिए अपनाएं ये टिप्स, नहीं होगी पैसों की बर्बादी

• **जालंधर ब्रीज.** रेसिपी

कई बार बाजार में मिलने वाली सब्जियां दिखने में फ्रेश लगती है लेकिन जब उन्हें खरीदकर घर लाया जाता है तो काटने पर उनके खराब होने का पता चलता है। जिससे पैसे, समय और मूड तीनों खराब हो जाते हैं। ताजी और अच्छी सब्जी की पहचान करने के लिए थोड़ी सी समझदारी और सावधानी का होना जरूरी होता है। अगर आपको भी अच्छी फ्रेश सब्जियों की पहचान नहीं है तो ये किचन टिप्स आपकी मुश्किल को आसान बना सकते हैं। गर्मियों के मौसम में सब्जियां खरीदते समय आपको किन जरूरी टिप्स को फॉलो करना चाहिए।

फ्रेश सब्जी खरीदने के लिए रखें इन बातों का ख्याल

आलू - आलू खरीदते समय हमेशा इस बात का खास ख्याल रखें कि आलू का आकार गोल और दिखने में चमकदार होना चाहिए। हरे या काले धब्बों वाले आलू को खरीदने से बचें। इस तरह के आलू में टॉक्सिन मौजूद हो सकते हैं। इसके अलावा कटे हुए आलू को भी खरीदने से बचना चाहिए। इस तरह के आलू जल्दी खराब हो सकते हैं।

शिमला मिर्च - शिमला मिर्च खरीदते समय उसकी नीचे से शेप जरूर चेक करें। याद रखें, शिमला मिर्च की तीन गांठ उसके तीखा और अक्सर कड़वे होने और चार गांठ स्वाद में हल्का मीठा होने का संकेत देती है। इसके अलावा हमेशा हल्के बड़े साइज की शिमला मिर्च खरीदें। साथ ही यह भी चेक करें कि शिमला मिर्च की सतह पर कोई छेद या वो गली हुई न हो।

लौकी - गर्मियों में लौकी की सब्जी ज्यादा खाई जाती है। ऐसे में इसकी फ्रेशनेस की पहचान करने के लिए लौकी खरीदते समय उसमें हल्का सा नाखून गढ़ाएं। अगर नाखून आसानी से लौकी में चला जाए तो लौकी बढ़िया है। लेकिन लौकी की सतह अगर नाखून गढ़ाने पर सख्त लगे तो मतलब लौकी पकी हुई है। इसके अलावा हल्के वजन की लौकी खरीदनी चाहिए, उसमें बीज नहीं निकलते हैं।

भिंडी - भिंडी खरीदते समय इस बात का ध्यान रखें कि वो छोटी और नर्म हो। ज्यादा बड़ी और कठोर भिंडी खाने में रेशेदार होती है। अच्छी भिंडी की पहचान करने के लिए एक भिंडी को हल्का सा तोड़कर देखें, अगर वह आसानी से टूट जाए तो वह ताजी और अच्छी है।

छेद या खराब ना हो सब्जी - अकसर लोग जल्दबाजी में सब्जी खरीदते हैं, जिससे उसके खराब निकलने के चांस जल्दा बढ़ जाते हैं। दुकानदार ऐसे ग्राहकों को अपनी खराब सब्जी बेच देता है। ऐसे में इस नुकसान से बचने के लिए सब्जी खरीदते समय उसे चारों ओर से पलटकर ध्यान से जरूर देखें। सब्जी ऊपर से देखने में सही हो इसका मतलब यह नही होता की वह अच्छी सब्जी है। अगर कोई सब्जी किसी हिस्से से दबी हुई हों तो उसके जल्दी खराब होने का डर बना रहता है।

अपनी बेटियों को ये बातें जरूर सिखाएं हर मां-बाप, जीवन में हमेशा रहेंगी खुशहाल

• **जालंधर ब्रीज .** फीचर

बच्चों की सही परवरिश करना एक बहुत चैलेंजिंग और जिम्मेदारी भरा काम है। खासतौर से बात जब बेटी की परवरिश की हो तो यह जिम्मेदारी और भी ज्यादा बढ़ जाती है। अब यह बात तो किसी से छिपी नहीं कि ये समाज लड़कियों को ले कर कैसा नजरिया रखता है। उनके भोलेपन का फायदा उठाने में भी कोई कसर नहीं छोड़ता।

बेटियों को दें आर्थिक सुरक्षा और वित्तीय जानकारी- बेटियों को पढ़ाते-लिखाते तो लगभग हर मां-बाप हैं लेकिन अक्सर उन्हें आर्थिक सुरक्षा और वित्तीय ज्ञान देना भूल जाते हैं। ऐसे में आर्थिक सुरक्षा की जानकारी ना होने की वजह से कभी-कभी भविष्य में बेटियों को आर्थिक समस्या का सामना करना पड़ सकता है। इसलिए हर मां-बाप की यह जिम्मेदारी है की बेटियों को वित्तीय ज्ञान जरूर दें।

आंखें बंद करके ना करें भरोसा - हर पेरेंट्स की जिम्मेदारी है कि वो अपनी बेटियों को सिखाएं कि वो किसी पर भी आंख मूंद कर भरोसा करने के बजाय, सतर्कता के साथ रहना सीखें।

बेटियों को पढ़ाएं आत्मनिर्भरता का पाठ - बेटियों को आत्मनिर्भर बनाने के साथ-साथ, उन्हें संघर्ष करना भी सिखाएं। जिससे अगर कभी उन्हें असफलता का सामना करना पड़े तो डरने या घबराने के बजाय वो डटकर उसका मुकाबला कर सकें।

आत्मविश्वास से जीना सिखाएं - पहले के जमाने में लड़कियां हमेशा दबकर रहती थीं। मायका हो या ससुराल, लड़कियों को यही सिखाया जाता था कि नजरें नीची रखकर सबकी बात माननी है। लेकिन अब जमाना बदल गया है, अब लड़कियों को भी आत्मविश्वास के साथ स्वतंत्रता से जीने का अधिकार है और हर मां-बाप को अपनी बेटी को ये विश्वास दिलाना चाहिए कि वह अपनी जिंदगी को अपने हिसाब से जीने का अधिकार रखती है। उन्हें भी आत्मविश्वास के साथ अपने बारे में निर्णय लेने का अधिकार है। हालांकि इसके साथ ही मां-बाप को बेटियों को सही और गलत का अंतर समझाना भी जरूरी है।

रिश्तों का सम्मान करना सिखाएं - बेटियों के कंधों पर दो घरों के मान-सम्मान की जिम्मेदारी होती है। मायके के आंगन को चहकाने वाली बेटियां, सुसराल की गलियों को भी रोशन करती हैं। इसलिए बेटियों को रिश्तों की अहमियत समझाना बहुत जरूरी है। पेरेंट्स की यह जिम्मेदारी बनती है कि वो अपनी बेटियों को बताएं कि किसी भी रिश्ते में प्यार, आदर और सम्मान होना कितना जरूरी है। जब बेटियों को रिश्ते की अहमियत पता होगी, तभी वो भविष्य में स्वस्थ और खुशहाल रिश्ता बनाने में सफल होंगी

वेट लॉस के लिए जरूरत से ज्यादा खाते हैं खीरा, सेहत को हो सकते हैं नुकसान

• **जालंधर ब्रीज.** हेल्थ केयर

HEALTH **सेहत के लिए फायदेमंद होने के बावजूद क्या आप जानते हैं खीरे का जरूरत से ज्यादा सेवन सेहत को फायदे की जगह नुकसान पहुंचाने लगता है।**

वेट लॉस मिशन को करना हो पूरा या गर्मियों में बॉडी को रखना हो कूल, सलाद की प्लेट में रखा खीरा अकसर हर जरूरत को पूरा करता हुआ नजर आता है। खीरे में मौजूद पानी की मात्रा, फाइबर, विटामिन के, विटामिन सी, पोटेशियम, मैग्नीशियम और अन्य जरूरी पोषक तत्व शरीर को हाइड्रेट रखने के साथ पाचन को बेहतर बनाए रखने में मदद करते हैं। सेहत के लिए इतना फायदेमंद होने के बावजूद क्या आप जानते हैं खीरे का जरूरत से ज्यादा सेवन सेहत को फायदे की जगह नुकसान पहुंचाने लगता है।

पेट की समस्या

खीरे में कुकुर्बिटासिन नामक तत्व होता है, जो ज्यादा मात्रा में खाने से पेट में गैस, पतली दस्त, सूजन या अपच की समस्या पैदा कर सकता है। जिन लोगों का पाचन तंत्र पहले से ही कमजोर है, उन्हें खीरे का ज्यादा सेवन नहीं करना चाहिए।

लो ब्लड प्रेशर

खीरा में पोटैशियम प्रचुर मात्रा में मौजूद होता है, जो रक्तचाप को कंट्रोल करने में मदद करता है। लेकिन इसका जरूरत से ज्यादा सेवन ब्लड प्रेशर को लो करके हाइपरक्लेमिया जैसी स्वास्थ्य स्थितियों को ट्रिगर कर सकता है। जिससे सूजन, ऐंठन, गैस और किडनी संबंधित समस्याएं हो सकती हैं।

पानी की अधिकता से असंतुलन

खीरे में 95 प्रतिशत पानी मौजूद होता है। इसका ज्यादा सेवन करने से शरीर में पानी की मात्रा बढ़ सकती है, जिससे इलेक्ट्रोलाइट असंतुलन हो सकता है।

एलर्जी की संभावना

कुछ लोगों को खीरे से एलर्जी हो सकती है, जिसके लक्षणों में खुजली, मुंह में जलन या त्वचा पर चकत्ते शामिल हैं।

यूरिन से जुड़ी समस्या

खीरे में प्राकृतिक रूप से ड्यूरेटिक (पेशाब बढ़ाने वाला) जैसा गुण मौजूद होता है। यदि किसी को बार-बार यूरिन आने की समस्या है, तो ऐसे लोगों को खीरे का सेवन सीमित मात्रा में करना चाहिए।

सलाह

खीरे को संतुलित मात्रा में खाएं (दिन में 1-2 मीडियम आकार के खीरे खाना पर्याप्त होता है)। इसे खाने से पहले अच्छी तरह धो लें ताकि इस पर लगे कीटनाशक या बैक्टीरिया साफ हो जाएं। पाचन संबंधी समस्या होने पर खीरा रात को खाने से बचें। खीरा खाने के तुरंत बाद पानी पीने से बचना चाहिए।

डिस्क्लेमर : *यह लेख मात्र सामान्य जानकारी के लिए है। किसी भी प्रयोग से पहले विशेषज्ञ की राय अवश्य लें।*

सीबीएसई स्कूलों के प्रधानाचार्यों के लिए एक्सपोजर विजिट का हुआ आयोजन

• **जालंधर ब्रीज** . *नई दिल्ली*

सीबीएसई, नई दिल्ली के सहयोग से सीबीएसई स्कूलों के प्रधानाचार्यों के लिए एक एक्सपोजर विजिट का आयोजन किया गया। इस विजिट में पंजाब, हिमाचल प्रदेश, चंडीगढ़ और हरियाणा के प्रसिद्ध स्कूलों के प्रतिष्ठित प्रधानाचार्यों ने भाग लिया। यह कार्यशाला फुटवियर डिज़ाइन एंड डेवलपमेंट इंस्टीट्यूट (FDDI) द्वारा NEP 2020 के अनुरूप आयोजित की गई, जिसका उद्देश्य कौशल-आधारित शिक्षा और शैक्षणिक संस्थानों में एकीकृत दृष्टिकोण को बढ़ावा देना है। इस विजिट का मुख्य उद्देश्य शिक्षाविदों को फुटवियर, फैशन और रिटेल क्षेत्रों में उपलब्ध विकास और करियर के अवसरों के बारे में जानकारी प्रदान करना था।

प्रधानाचार्य सम्मेलन का उद्देश्य शिक्षकों को सर्वोत्तम प्रथाओं को साझा करने, नवीन शिक्षण विधियों पर चर्चा करने और शिक्षा क्षेत्र में आने वाली चुनौतियों का समाधान करने के लिए एक मंच प्रदान करना था। इस कार्यक्रम में तकनीकी सत्र, प्रयोगशाला भ्रमण, प्रदर्शनी और इंटरएक्टिव चर्चाएं शामिल थीं।

कार्यक्रम में कुल 26 स्कूल प्रधानाचार्यों ने भाग लिया। मुख्य अतिथि के रूप में प्रीति सक्सेना, उप आयुक्त, केवी चंडीगढ़ क्षेत्र ने भाग लिया, जबकि प्राग्या सिंह, आईआरएस, कार्यकारी निदेशक, एफडीडीआई ने अध्यक्षता की।

कार्यक्रम की शुरुआत दीप प्रज्वलन के साथ की गई। उद्घाटन सत्र में प्रग्या सिंह ने मुख्य अतिथि और प्रतिनिधियों का स्वागत किया। अपने स्वागत संबोधन में उन्होंने फुटवियर उद्योग को मजबूत बनाने में एफडीडीआई की भूमिका पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि इस उद्योग में विकास और करियर के लिए काफी संभावनाएं हैं और प्रशिक्षित लोगों की आवश्यकता है। उन्होंने यह भी कहा कि इस बैठक का उद्देश्य शिक्षा पद्धति और छात्रों के कौशल को प्रदर्शित करना है ताकि प्रधानाचार्य इसे अपने छात्रों के साथ साझा कर सकें।

मुख्य अतिथि प्रीति सक्सेना ने संबोधन

करते हुए कहा, "शिक्षा भविष्य का पासपोर्ट है, कल उन लोगों का होता है जो आज तैयार होते हैं।" उन्होंने NEP 2020 के छात्र विकास के लक्ष्य के पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि कौशल शिक्षा नीति में लंबे समय से अनदेखी की गई है, जबकि महात्मा गांधी ने भी हर व्यक्ति में कौशल की आवश्यकता पर बल दिया था। व्यावसायिक और कौशल शिक्षा को मुख्यधारा में लाने की आवश्यकता है। उन्होंने यह भी कहा कि विद्यालय शिक्षा के दौरान ही कौशल शिक्षा शुरू करना सबसे अच्छा समय है। इस कार्यक्रम में छात्रों द्वारा डिजाइन और विकसित किए गए फुटवियर, एसेसरीज़ और फैशन परिधानों की प्रदर्शनी का आयोजन किया गया, जिसमें प्रधानाचार्य ने छात्रों के कार्यों की सराहना की। प्रदर्शनी के बाद तकनीकी सत्रों का आयोजन किया गया, जहां संकाय सदस्यों ने उद्योग के दृष्टिकोण, करियर के अवसरों और व्यावसायिक शिक्षा के महत्व पर चर्चा की। प्रधानाचार्यों ने विभिन्न प्रयोगशालाओं का दौरा किया, जैसे कि CAD/CAM, ड्रेपिंग, परिधान निर्माण, लास्टिंग, घटक और फिनिशिंग लैब। उन्होंने निर्माण प्रक्रिया और आधुनिक मशीनों व सॉफ़्टवेयर के उपयोग का अवलोकन किया। अंत में एक विचार-विमर्श सत्र का आयोजन किया गया, जिसमें प्रधानाचार्यों और संकाय सदस्यों ने छात्रों के लाभ के लिए संभावित सहयोग और एकीकृत शैक्षणिक दृष्टिकोणों पर विचार-विमर्श किया। एफडीडीआई द्वारा आयोजित इस एक्सपोजर विजिट ने शैक्षणिक संस्थानों और उद्योग-उन्मुख शिक्षा के बीच मजबूत संबंध स्थापित करने के लिए एक अनूठा अवसर प्रदान किया। डॉ. पूजा सिंह ने आभार प्रदर्शन किया।

स्टार्टअप्स – भारत की नवाचार क्रांति का सुलगना

प्रयागराज संगम पर महाकुंभ की शानदार सफलता के बाद, अब विकास की तीन धाराओं – नवाचार, रोजगार सृजन और उद्यमिता के संगम का जश्न मनाने का समय आ गया है, जो प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की विकास और विरासत की कल्पना को जीवंत और उत्साहपूर्ण भारत के लिए आगे ले जाएगा।

ये तीनों धाराएँ 3 अप्रैल को स्टार्टअप महाकुंभ में समाहित होंगी। प्रयागराज में हुए विस्मयकारी आध्यात्मिक समागम की तरह, स्टार्टअप महाकुंभ का आयोजन भी भव्य और वैश्विक स्तर पर किया जा रहा है। इस कार्यक्रम में 3,000 से अधिक स्टार्टअप, 1,000 से अधिक निवेशक, 500 से अधिक वक्ता और दुनिया भर से 15,000 से अधिक प्रतिनिधि और व्यवसायी शामिल होंगे, जिसमें 50 से अधिक देशों की भागीदारी होगी। यह स्टार्टअप के लिए सहयोग, मार्गदर्शन, धन उपलब्ध कराने और नए बाजारों तक पहुंच का पता लगाने के लिए एक शक्तिशाली मंच होगा। समर्पित विशेषज्ञों की कक्षाएं, ज्ञान सत्र और नेटवर्किंग फ़ोरम के साथ, यह कार्यक्रम न केवल नवाचार को बढ़ावा देगा बल्कि उद्यमियों की अगली पीढ़ी को अपने स्वयं के उद्यम शुरू करने के लिए प्रेरित भी करेगा। साथ ही, इस वर्ष के महाकुंभ में, तीन-स्तरीय निवेशक-नेतृत्व वाली जूरी प्रक्रिया 50 करोड़ रुपये के पुरस्कार पूल के साथ भारत के सबसे बड़े निजी क्षेत्र द्वारा वित्त पोषित ग्रैंड इनोवेशन चैलेंज में 150 फाइनलिस्ट का चयन करेगी।

नवाचार – चाहे शतरंज का खेल हो या प्राचीन भारत में 'शून्य' की अवधारणा, या आज का यूपीआई, चंद्रयान और मंगलयान, नवाचार हमेशा से ही भारतीय डीएनए का हिस्सा रहा है। स्वस्थ अनुसंधान और विकास के माध्यम से प्राप्त नए विचार, नवीन वस्तुएं और सेवाएं भारत को 2047 तक विकसित देश बनने के अपने मिशन में आगे बढ़ाएंगी। उपयुक्त रूप से, इस कार्यक्रम का विषय स्टार्टअप इंडिया @2047 है।

पीएम मोदी की कल्पना – 2015 में स्वतंत्रता दिवस के अपने भाषण में प्रधानमंत्री मोदी ने भारत को वैश्विक स्टार्टअप हब बनाने और देश को रोजगार सृजन करने वाले देश में बदलने का अपना सपना स्पष्ट किया। इसके तुरंत बाद, परिवर्तनकारी स्टार्टअप इंडिया पहल शुरू की गई। प्रधानमंत्री मोदी की इस पहल ने युवा ऊर्जा का ऐसा ज़बरदस्त प्रवाह पैदा किया है जो भारत के उद्यमशीलता परिदृश्य को बदल रहा है। पंजीकृत स्टार्टअप की संख्या 2016 में लगभग 500 से बढ़कर

जालंधर ब्रीज

पीयूष गोयल
(केन्द्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री)

अब लगभग 1.7 लाख हो गई है। ये उद्यम फिन-टेक, डीप-टेक, एड-टेक, नैनो-टेक, बायो-टेक, स्पेस-टेक, एग्री-टेक और हेल्थ-टेक सहित 55 से अधिक क्षेत्रों में फैले हुए हैं, जो भारत को प्रमुख प्रौद्योगिकी-संचालित उद्यमिता के गढ़ के रूप में उभरने में मदद कर रहे हैं।

सरकार स्टार्टअप्स को धन उपलब्ध कराने में सहायता देने के लिए भी सक्रिय रूप से पहल कर रही है। पिछले साल के बजट में हमारी सरकार ने एंजल टैक्स को समाप्त कर दिया था, इस कदम की नए उद्यमियों ने सराहना की थी। इस साल बजट में 10,000 करोड़ रुपये का नया फंड ऑफ फंड्स शुरू किया गया। नौकरियां और समाधान – सरकार द्वारा पंजीकृत स्टार्टअप ने 31 जनवरी, 2025 तक 17.69 लाख प्रत्यक्ष नौकरियां पैदा की हैं। इसके अलावा, वे वास्तविक दुनिया की चुनौतियों के लिए अत्याधुनिक समाधान प्रदान कर रहे हैं। गैर-आक्रामक, एआई-संचालित थर्मल इमेजिंग तकनीक के साथ स्तन कैंसर का पता लगाने में क्रांतिकारी बदलाव; किसानों को सीधे खरीदारों से जोड़कर ग्रामीण व्यापार को सरल बनाना; किफायती और कुशल भुगतान गेटवे समाधान प्रदान करना; कचरे को धन में बदलने वाले प्रभावशाली पर्यावरण-अनुकूल उत्पाद बनाना; हमारे साइबरस्पेस को सुरक्षित करना चुनौतियों के ऐसे कुछ उदाहरण हैं जिनका हमारे स्टार्टअप द्वारा भारत और दुनिया के लिए समाधान किया गया है। हमारे स्टार्टअप भी बहुत फुर्तीले और तेज-तर्रार हैं। कोविड-19 महामारी के दौरान, जिन स्टार्टअप ने मजबूत विश्लेषणात्मक समाधान, ड्रोन, दूरसंचार प्लेटफ़ॉर्म आदि विकसित किए थे, उन्होंने संपर्क ट्रेसिंग, क्वारनटाइन निगरानी और वॉर रूम के लिए डैशबोर्ड विकसित करने के लिए इन तकनीकों का लाभ उठाने के लिए तेज़ी से काम किया। पीपीई किट, वेंटिलेटर और सैंपल कलेक्शन उत्पादों और सेवाओं जैसे महत्वपूर्ण उपकरण बनाने में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका थी।

उद्यमशीलता संस्कृति – स्टार्टअप इंडिया पहल ने पूरे देश में उद्यमशीलता की मानसिकता को काफी हद तक बदल दिया है। जहाँ एक समय परिवार एक सुरक्षित नौकरी की तलाश में रहते थे, वहीं आज वे अपने युवा परिवार के सदस्यों के उद्यमशीलता के कारनामों को प्रोत्साहित करते हैं और उन पर गर्व करते हैं। यह हमारे ऊर्जावान युवाओं को नौकरी चाहने वालों के बजाय नौकरी देने वाले बनने के लिए प्रेरित कर रहा है। ऐसी ऊर्जा से पैदा हुए उद्यम नई ऊँचाइयों को छू रहे हैं। उद्योग के अनुमानों के अनुसार, एक बिलियन डॉलर से अधिक मूल्यांकन वाले भारतीय यूनिकॉर्न की संख्या 2016 से पहले 10 से भी कम थी जो आज बढ़कर 110 से अधिक हो गई है, जिनका सामूहिक मूल्य 385 बिलियन अमेरिकी डॉलर से अधिक है।

सार्वजनिक खरीद में सहायता – हमारी सरकार ने सरकारी ई-मार्केटप्लेस (जीईएम) में पात्र स्टार्टअप का विशेष प्रावधान किया है।

हंसा-3 (एनजी) ने भारत की विमानन आत्मनिर्भरता की उड़ान को शक्ति प्रदान की

भारत वर्तमान में वैश्विक स्तर पर तीसरा सबसे बड़ा घरेलू विमानन बाजार है। इस दशक के अंत तक, यह अनुमान है कि यह आश्चर्यजनक रूप से तीन सौ मिलियन घरेलू यात्रियों को सेवा प्रदान करेगा, जो वैश्विक विमानन क्षेत्र में एक प्रमुख शक्ति के रूप में इसकी स्थिति को मजबूत करेगा। यात्रियों की संख्या में यह तीव्र वृद्धि केवल एक विस्तारित विमानन उद्योग से कहीं अधिक को दर्शाती है – यह लाखों भारतीयों की बढ़ती आकांक्षाओं को दर्शाती है।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार भारत को अग्रणी राष्ट्रों में शामिल करने तथा वैश्विक मानकों पर खरा उतरने के लिए संकल्पबद्ध है तथा देश तेजी से बढ़ती विमानन आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए तैयार है, ऐसे में सबसे बड़ी आवश्यकता पायलटों की मांग है, जो इस विकास पथ को कायम रखने में एक महत्वपूर्ण घटक है। नागर विमानन मंत्रालय की हालिया रिपोर्टों के अनुसार, भारत में पायलटों की मांग अगले दो दशकों में कम से कम पांच गुना बढ़ने का अनुमान है, जो वर्तमान संख्या से कहीं अधिक है। मांग में यह वृद्धि भारत के नागर विमानन क्षेत्र में यात्री यातायात तथा विमान बेड़े के विस्तार में तेजी से वृद्धि के कारण है, जिसे नागर विमानन मंत्री के राममोहन नायडू द्वारा शुरू की गई दूरदर्शी पहलों से बल मिल रहा है। भारत में वर्तमान में 38 उड़ान प्रशिक्षण संगठन (एफटीओ) हैं। कुशल पायलटों की बढ़ती मांग के साथ, देश में एक बड़ा तथा विश्वस्तरीय उड़ान प्रशिक्षण इको-सिस्टम विकसित करना महत्वपूर्ण है, जिसमें प्रशिक्षक विमानों की संख्या में आनुपातिक वृद्धि हो। वर्तमान में, भारत में छोटे नागरिक विमान बाजार पर बड़े पैमाने पर विदेशी कंपनियों का नियंत्रण है तथा घरेलू कंपनियों का इसमें कोई खास दबदबा नहीं है।

पूरी तरह से आत्मनिर्भर होने के लिए हमारे देश को स्वदेशी नागरिक विमान विकास की आवश्यकता है। यह देश की विशेषज्ञता और क्षमताओं को प्रदर्शित करेगा, जो भारत को एयरोस्पेस घटक निर्माण के लिए एक पसंदीदा गंतव्य के रूप में स्थापित करेगा। प्रारंभिक डिजाइन से लेकर अंतिम उत्पादन तक हर चरण में उत्कृष्टता प्राप्त करके इस तरह के प्रयास देश के विमानन उद्योग को काफी मजबूत करेंगे। हंसा-3 विमान, जिसका वाणिज्यिक नाम हंसा-3 (नई पीढ़ी) है, को वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान परिषद-राष्ट्रीय एयरोस्पेस प्रयोगशालाओं (सीएसआईआर-एनएएल) द्वारा स्वदेशी

जालंधर ब्रीज

डॉ. जितेंद्र सिंह
(राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार), विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्रालय तथा पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय)

रूप से डिजाइन और विकसित किया गया है, जिसमें कई उन्नतियां हैं जो उड़ान समुदाय की ज़रूरतों को पूरा करती हैं। अत्याधुनिक ग्लास कॉकपिट, ईंधन-कुशल रोटैक्स 912 iSc3 स्पोर्ट इंजन और 620 समुद्री मील की रेंज और सात घंटे की सहनशक्ति जैसे उन्नत प्रदर्शन मीट्रिक्स की विशेषता वाला यह विमान आधुनिक ट्रेनर विमान मानकों को फिर से परिभाषित करता है। प्रमुख प्रमाणपत्र प्राप्त करने के बाद, हंसा-3 (एनजी) अब दिन और रात के संचालन के लिए प्रमाणित है, साथ ही आईएफआर संचालन के लिए इसकी क्षमताओं को बढ़ाने के लिए और कदम उठाए गए हैं।

सीएसआईआर-एनएएल का हंसा-3 (एनजी) भारत की विमानन महत्वाकांक्षाओं को आगे बढ़ाने में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है। यह इस दशक के अंत तक भारत को वैश्विक विमानन केंद्र के रूप में स्थापित करने और 2047 तक विकसित भारत के व्यापक लक्ष्य को प्राप्त करने के माननीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दृष्टिकोण के साथ सहज रूप से संरेखित है।

सीएसआईआर-एनएएल का एक उद्योग भागीदार के साथ हाल ही में किया गया सहयोग हंसा-3 (एनजी) विमानों के उत्पादन में वृद्धि के साथ घरेलू और अंतर्राष्ट्रीय दोनों मांगों को पूरा करेगा। बेंगलुरु में स्थापित होने वाली उत्पादन सुविधा सालाना 36 विमानों का निर्माण शुरू करेगी, जो बढ़ती जरूरतों को पूरा करने के लिए 72 इकाइयों तक बढ़ जाएगी। भारत के पहले ऑल-कम्पोजिट एयरफ्रेम विमान के रूप में, हंसा-3 (एनजी) एक गेम-चेंजर है, जो फ्लाइंग क्लबों को अगली पीढ़ी के पायलटों को प्रशिक्षित करने में सक्षम बनाता है और साथ ही शौकिया उड़ान की संस्कृति को भी बढ़ावा देता है। प्रशिक्षण से हटकर, हंसा-3 (एनजी) निगरानी, हवाई फोटोग्राफी, पर्यावरण निगरानी और अन्य जैसी भूमिकाओं के लिए अपार संभावनाएं रखता है। इसकी तैनाती से छोटे विमान विनिर्माण इको-सिस्टम को प्रोत्साहन मिलेगा, स्थानीय बुनियादी ढांचे को बढ़ावा मिलेगा और छोटे से मध्यम स्तर के उद्यमों को विमानन आपूर्ति श्रृंखला में योगदान करने में सक्षम बनाया जाएगा।

हंसा-3 (एनजी) माननीय प्रधानमंत्री के आत्मनिर्भर भारत के सपने को साकार करने की दिशा में भारत की प्रगति का प्रतीक है, जिसमें विमानन क्षेत्र देश के आत्मनिर्भरता आंदोलन में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। जैसे-जैसे हंसा-3 (एनजी) स्वयं को एक लागत प्रभावी और बहुआयामी प्रशिक्षक विमान के रूप में स्थापित करेगा, यह एयरोस्पेस विनिर्माण में वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धा करने के लिए भारत की तैयारी का भी संकेत देगा। सीएसआईआर-एनएएल और उद्योग भागीदार के बीच सहयोग केवल वर्तमान जरूरतों को पूरा करने के बारे में नहीं है, यह एक ऐसे भविष्य को आकार देने के बारे में है, जहां भारत विमानन, नवाचार और प्रौद्योगिकी में अग्रणी देश के रूप में उभरता है।

'हर काम देश के नाम' अग्निवीर भर्ती के लिए पंजीकरण की अंतिम तिथि 25 अप्रैल तक बढ़ाई गई

जालंधर ब्रीज (अंबाला/चंडीगढ़) . सेना भर्ती कार्यालय, अंबाला ने सूचित किया है कि भारतीय सेना की अग्निवीर भर्ती योजना के तहत वर्ष 2025-26 के लिए पंजीकरण 12 मार्च, 2025 से 10 अप्रैल, 2025 तक खोला गया था। अब पंजीकरण की अंतिम तिथि 10 अप्रैल से बढ़ाकर 25 अप्रैल, 2025 कर दी गई है।

हरियाणा के छह जिलों अंबाला, कैथल, कुरुक्षेत्र, करनाल, यमुनानगर, पंचकूला और केंद्र शासित प्रदेश चंडीगढ़ के पुरुष उम्मीदवारों और हरियाणा, हिमाचल, दिल्ली और चंडीगढ़ की महिला उम्मीदवारों से अग्निवीर भर्ती के आवेदन आमंत्रित किए गए हैं। विशेष रूप से, पुरुष उम्मीदवार दो ट्रेडों के लिए आवेदन कर सकते हैं, और चयन किसी भी श्रेणी में उनके सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन के आधार पर निर्धारित किया जाएगा। यह सलाह दी जाती है कि उम्मीदवार पंजीकरण के लिए अंतिम तिथि की प्रतीक्षा न करें और https://www.joinindianarmy.nic.in पर अपना पंजीकरण करवाएं।

भारतीय रिजर्व बैंक, चंडीगढ़ द्वारा आईटीबीपी जवानों के लिए काव्य संध्या का आयोजन

जालंधर ब्रीज (चंडीगढ़) . भारतीय रिजर्व बैंक, चंडीगढ़ कार्यालय द्वारा आईटीबीपी (भारत-तिब्बत सीमा पुलिस) जवानों के सम्मान में एक भव्य काव्य संध्या का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम की अध्यक्षता क्षेत्रीय निदेशक विवेक श्रीवास्तव ने की, जबकि मुख्य अतिथि के रूप में आईटीबीपी वेस्टर्न कमांड के अपर महानिदेशक संजय चौधरी उपस्थित रहे। इस विशेष अवसर पर रंजीत सिंह राणा (डीआईजी), विजय देशवाल (डीआईजी), सौरभ दुबे (कमांडेंट) एवं अशोक शर्मा (डेपुटी कमांडेंट) सहित कई अन्य अधिकारी और जवान भी शामिल हुए।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए अपर महानिदेशक संजय चौधरी ने भारतीय रिजर्व बैंक को इस आयोजन के लिए धन्यवाद दिया और कार्यक्रम की सराहना की। क्षेत्रीय निदेशक विवेक श्रीवास्तव ने अपने संबोधन में आईटीबीपी के जवानों के समर्पण और निस्वार्थ सेवा की सराहना की। उन्होंने कहा कि सुरक्षा बलों की दृढ़ता और प्रतिबद्धता से ही देश सुरक्षित है, और उनके प्रति सम्मान व्यक्त करना समाज का कर्तव्य है।

इस काव्य संध्या में सुप्रसिद्ध कवि पद्मश्री डॉ. सुरेंद्र दुबे, अशोक चरण एवं डॉ. तिष्या ने अपने हास्य-व्यंग्य और प्रेरणादायक रचनाओं से उपस्थित जनसमूह को मंत्रमुग्ध कर दिया। कार्यक्रम का समापन धन्यवाद ज्ञापन और भोज के साथ हुआ। यह आयोजन जवानों के मनोबल को ऊंचा करने और साहित्य के माध्यम से उन्हें आनंद प्रदान करने के उद्देश्य से किया गया था।

पीएम मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व में किसान कल्याण की योजनाओं पर लक्ष्यबद्ध किया जा रहा है कार्य- शिवराज सिंह

जालंधर ब्रीज (काठमांडू (नेपाल)/ नई दिल्ली) . केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण तथा ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने आज नेपाल के काठमांडू में तीसरी बिम्सटेक कृषि मंत्रिस्तरीय बैठक (BAMM) में भारत का नेतृत्व किया। इसमें भारत, बांग्लादेश, भूटान, नेपाल, म्यांमार, थाईलैंड और श्रीलंका जैसे बिम्सटेक देशों के कृषि मंत्रियों और वरिष्ठ कृषि अधिकारियों ने भाग लिया। इस बैठक ने कृषि विकास के क्षेत्र में अधिक क्षेत्रीय सहयोग का अवसर प्रदान किया है।

पिछले एक दशक में, बिम्सटेक बंगाल की खाड़ी क्षेत्र में क्षेत्रीय विकास, संपर्क और आर्थिक प्रगति को बढ़ावा देने के लिए एक महत्वपूर्ण मंच के रूप में उभरा है। "कृषि और खाद्य सुरक्षा" बिम्सटेक के सहयोग के

प्रमुख क्षेत्रों में से एक है। यह क्षेत्रीय कृषि सहयोग को आकार देने वाली सर्वोच्च निर्णय लेने वाली संस्था BAMM की तीसरी बैठक थी। पहला BAMM 12 जुलाई 2019 को म्यांमार में हुआ, उसके बाद दूसरा BAMM 10 नवंबर 2022 को भारत में हुआ। तीसरे BAMM के दौरान, कृषि मंत्रियों ने मत्स्य पालन और पशुधन सहयोग सहित बिम्सटेक कृषि क्षेत्र को और अधिक गति प्रदान करने के तरीकों और साधनों पर विचार-विमर्श किया।

अपने संबोधन में, केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि भारत के लिए 'पड़ोसी पहले' और 'एक्ट ईस्ट पॉलिसी' की प्रमुख विदेश नीति प्राथमिकताओं को पूरा करने के लिए बिम्सटेक एक स्वाभाविक विकल्प है। बिम्सटेक में दक्षिण और दक्षिण पूर्व एशिया को जोड़ने की क्षमता है। हमारा साझा इतिहास और समृद्ध सांस्कृतिक विरासत है, जो हमें स्वाभाविक साझेदार बनाती है। उन्होंने उल्लेख किया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व में, भारत किसानों को नकदी का सीधा हस्तांतरण, संस्थागत ऋण तक पहुंच में सुधार, मृदा स्वास्थ्य कार्ड, राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा मिशन, फसल बीमा, महिलाओं को ड्रोन प्रदान करने के लिए नमो ड्रोन दीदी योजना जैसे लक्षित उपायों को लागू कर रहा है। भारत किसानों को सशक्त बनाने के लिए डिजिटल तकनीकों का उपयोग करने पर ध्यान केंद्रित कर रहा है। उन्होंने कहा कि भारत बिम्सटेक के भीतर कृषि सहयोग को मजबूत करने की अपनी प्रतिबद्धता को दोहराता है और यह जानकर प्रसन्नता हुई कि भारत ने बीज विकास, पशु स्वास्थ्य और कीट प्रबंधन के क्षेत्र में प्रशिक्षण और कार्यशालाओं का आयोजन करके बिम्सटेक कृषि सहयोग (2023-2027) के तहत पहल की है।

भविष्य के लिए तैयार स्टार्टअप इकोसिस्टम की ओर

हाल ही में स्टार्टअप महाकुंभ में वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल द्वारा की गई टिप्पणी भारत के स्टार्टअप इकोसिस्टम की समयोचित और आवश्यक आलोचना प्रस्तुत करती है। इस क्षेत्र के अंतर्गत हुई उल्लेखनीय प्रगति और नवाचार को स्वीकारते और उसकी सराहना करते हुए गोयल ने स्टार्टअप्स से आग्रह किया कि वे अपना ध्यान खाद्य वितरण और हाइपर-फास्ट लॉजिस्टिक्स जैसे कम मूल्य वाले उपक्रमों से हटाकर सेमीकंडक्टर, रोबोटिक्स और डीप-टेक जैसे उच्च प्रभाव वाले क्षेत्रों पर केंद्रित करें। आत्मविश्लेषण का यह आह्वान न केवल जायज है, अपितु भारत के उद्यमशील परिदृश्य की दीर्घकालिक स्थिरता और वैश्विक प्रतिस्पर्धात्मकता सुनिश्चित करने के लिए आवश्यक भी है।

सफलता की गाथा – भारत के स्टार्टअप इकोसिस्टम ने अविवादित रूप से महत्वपूर्ण उपलब्धियाँ हासिल की हैं। 2025 में, केवल पहली तिमाही में ही स्टार्टअप्स ने 2.5 बिलियन डॉलर जुटाए, जो पिछले वर्ष की तुलना में 8.7 प्रतिशत की वृद्धि को दर्शाता है। स्टार्टअप्स के वित्त पोषण के मामले में देश अमेरिका और ब्रिटेन के बाद दुनिया में

जालंधर ब्रीज

रोहित कुमार सिंह
((लेखक राष्ट्रीय उपभोक्ता विवाद निवारण आयोग के सदस्य और भारत सरकार के पूर्व सचिव हैं))

तीसरे स्थान पर है। इसके अतिरिक्त, आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) गतिविधि में वृद्धि हुई है, इस वर्ष 23 स्टार्टअप्स पब्लिक लिस्टिंग की तैयारी कर रहे हैं, जो भारतीय नवाचार में निवेशकों के विश्वास को दर्शाता है। इसके अलावा, टियर 2 और टियर 3 शहर कृषि, स्वास्थ्य सेवा और शिक्षा में स्थानीय चुनौतियों से निपटते हुए उद्यमशीलता से संबंधित गतिविधि केंद्रों के रूप में उभर रहे हैं। यह विकेंद्रीकरण एक आशाजनक प्रवृत्ति है, जो इकोसिस्टम की समावेशिता और उसकी संभावनाओं को रेखांकित करती है।

गोयल द्वारा रेखांकित चुनौतियाँ – इन उपलब्धियों के बावजूद,गोयल की आलोचना उन महत्वपूर्ण कमियों की ओर इंगित करती है, जिन्हें दूर किए जाने की आवश्यकता है। अनेक स्टार्टअप्स डीप-टेक जैसे परिवर्तनकारी क्षेत्रों में नवाचार करने के बजाय मौजूदा व्यवसाय मॉडल की नकल करने पर ध्यान केंद्रित करते हैं। उदाहरण के लिए, यद्यपि चीनी स्टार्टअप्स सेमीकंडक्टर और ईवी प्रौद्योगिकियों में वैश्विक स्तर पर अग्रणी हैं, वहीं भारतीय स्टार्टअप्स अक्सर किराने के सामान की तत्काल डिलीवरी या विशिष्ट उपभोक्ता उत्पादों को प्राथमिकता देते हैं। इस दृष्टिकोण से सीमित दीर्घकालिक आर्थिक मूल्य वाले व्यवसायों का सृजन होने का खतरा है। गोयल ने प्रतिभा पलायन या ब्रेन ड्रेन के बारे में भी चिंता जाहिर की, जहां नवोन्मेषी विचारों को कम कीमत पर विदेशी कंपनियों को बेचा जाता है। घरेलू नवाचार के लिए मजबूत समर्थन के बिना, भारत के समक्ष अपनी बौद्धिक पूंजी को अपने वैश्विक प्रतिस्पर्धियों के लिए गवां देने का जोखिम मौजूद है।

आत्मविश्लेषण और जवाबदेही – मंत्री महोदय का यह वक्तव्य स्टार्टअप इकोसिस्टम के बारे में कही जाने वाली सामान्य बातों से हटकर एक स्वागत योग्य कदम है। उन्होंने बिना किसी लाग-लपेट के अपनी बात को स्पष्ट रूप से रखने का विकल्प चुना। उनकी इस स्पष्ट आलोचना को निंदा के रूप में नहीं, बल्कि भारत के प्रतिभाशाली युवाओं के लिए रचनात्मक चुनौती के रूप में- उन्हें सौम्य रूप से प्रेरित किए जाने के रूप में देखा जाना चाहिए।

स्टार्टअप इकोसिस्टम के भीतर आत्मविश्लेषण और जवाबदेही की संस्कृति को बढ़ावा देने की दिशा में वरिष्ठ मंत्रियों के ऐसे वक्तव्य महत्वपूर्ण हैं। यद्यपि यूनिकॉर्न वैल्यूएशन और वित्त पोषण संबंधी उपलब्धियों को लेकर मिल रही प्रशंसा का आनंद लेना आसान है, लेकिन वास्तविक प्रगति प्रणालीगत खामियों को दूर करने और दीर्घकालिक आर्थिक मूल्य बनाने वाले व्यवसायों का निर्माण करने में निहित है। गोयल की टिप्पणियां संस्थापकों और निवेशकों के लिए अपनी प्राथमिकताओं पर पुनर्विचार करने और अपने प्रयासों को राष्ट्रीय लक्ष्यों के साथ संरेखित करने की चेतावनी का कार्य करती है।

पंजाब में नशे के कारोबार में अन्य राज्यों के इंफोर्समेंट अधिकारियों की संलिप्तता को लेकर चिंता बढ़ाई : हरपाल सिंह चीमा

कहा- मामले में शामिल व्यक्तियों के पद की परवाह किए बिना पूरी जांच और सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी

• **जालंधर ब्रीज.** चंडीगढ़

'युद्ध नशों विरुद्ध' कैबिनेट सब-कमेटी के चेयरमैन एवं वित्त मंत्री एडवोकेट हरपाल सिंह चीमा ने आज यहाँ कहा कि अमृतसर पुलिस द्वारा हरियाणा के रोहतक से संबंधित एक इंफोर्समेंट एजेंसी के अधिकारी समेत आठ व्यक्तियों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से 4 किलो हेरोइन बरामद करने के मामले के चलते राज्य में नशे के कारोबार में अन्य राज्यों के इंफोर्समेंट अधिकारियों की संलिप्तता को लेकर चिंता बढ़ गई है। यहाँ पंजाब भवन में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए वित्त मंत्री हरपाल सिंह चीमा ने कहा कि इस गिरोह के सरगना की पहचान के लिए गहराई से जांच की जाएगी और उसके खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी, चाहे वह कोई भी हो। उन्होंने कहा कि पंजाब सरकार सीमावर्ती इलाकों में नशे की तस्करी को रोकने के लिए पूरी ज़िम्मेदारी निभा रही है, जबकि

केंद्र सरकार अपने कर्तव्यों में विफल होती दिख रही है।

'युद्ध नशों विरुद्ध' अभियान के संबंध में ताजा जानकारी साझा करते हुए वित्त मंत्री ने खुलासा किया कि व्यापक अभियान के परिणामस्वरूप पिछले 41 दिनों में एनडीपीएस एक्ट के तहत 3,279 केस दर्ज किए गए हैं और 5,537 व्यक्तियों को गिरफ्तार किया गया है। उन्होंने बताया कि इस अभियान के अंतर्गत की गई महत्वपूर्ण बरामदगियों में 212 किलो हेरोइन, 6,945 किलो भुक्की, 105 किलो अफीम, 50 किलो गांजा, 6 किलो चरस और करीब 9 लाख प्रतिबंधित गोलियां व कैप्सूल शामिल हैं। इसके अतिरिक्त, करीब 6 करोड़ रुपये की ड्रग मनी बरामद की गई है तथा 57 नशा तस्करों की गैरकानूनी संपत्तियों को ढहाया गया है, ताकि उन्हें कड़ा संदेश दिया जा सके।

आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल और मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान की अगुवाई में लुधियाना में आयोजित रैली का उल्लेख करते हुए वित्त मंत्री ने कहा कि यह अभियान गांवों और शहरों में युवाओं को संगठित करने में सफल रहा है। उन्होंने बताया कि पंच-सरपंच और नगर पार्षद इस अभियान में बढ़-चढ़कर हिस्सा ले रहे हैं। उन्होंने कहा कि यह पहली बार है जब पंजाब के बजट में नशे के खिलाफ कार्रवाई को और मज़बूत करने के लिए एंटी-ड्रोन सिस्टम और नशा जनगणना के लिए बजट आवंटित किया गया है। इसके अलावा खेलों को बढ़ावा देने और युवाओं को नशे से दूर रखने के लिए लगभग 980 करोड़ रुपये का बजट रखा गया है। उन्होंने सवाल किया कि जब नशे की समस्या देश के अन्य राज्यों में भी फैल चुकी है, तो क्या कांग्रेस या भाजपा शासित किसी राज्य ने कभी ऐसा कदम उठाया है?

पूर्ववर्ती राज्य सरकारों की कड़ी आलोचना करते हुए वित्त मंत्री ने अकाली-भाजपा गठबंधन और कांग्रेस सरकारों पर नशे के संकट को हल करने में विफल रहने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि पूर्व मुख्यमंत्री कैप्टन अमरिंदर सिंह द्वारा चार हफ्तों में नशा समाप्त करने के वादे के बावजूद समस्या बनी रही। इसके विपरीत, आम आदमी पार्टी के नेतृत्व वाली सरकार पिछले तीन वर्षों से नशे की लानत से निपटने के लिए निरंतर मेहनत कर रही है, जिसमें ' युद्ध नशों विरुद्ध' अभियान इस लानत को खत्म करने की दिशा में निर्णायक प्रयास साबित होगा।

मोहिंदर भगत ने बाबा साहिब की जयंती को समर्पित कैलेंडर किया रिलीज़

• **जालंधर ब्रीज.** जालंधर

भगत महासभा द्वारा भारत रत्न बाबा साहिब डॉ. बीआर अंबेडकर की 134वीं जयंती को समर्पित कैलेंडर तैयार किया गया जिसे कैबिनेट मंत्री मोहिंदर भगत ने रिलीज़ किया। कैलेंडर जारी करने के बाद कैबिनेट मंत्री मोहिंदर भगत ने कहा कि दलित समाज डा. बी.आर. अंबेडकर जी के एहसान को कभी नहीं भूल सकता, क्योंकि बाबा साहिब की वजह से ही दलित समाज को समानता का अधिकार मिला है।

इस अवसर पर भगत महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष प्रो. राज कुमार भगत, कमल भगत, दर्शन डोगरा, नरिंदर भगत, विनोद भगत, प्रो रंजीत भगत, त्रिलोक भगत, राकेश राणा भगत, अरुण संदल, अध्यक्ष सतगुरु कबीर टाइगर फोर्स, विनोद बॉबी भगत, गोपाल कृष्ण भक्ति, पंजाब अध्यक्ष कृष्ण भगत आदि उपस्थित थे।

भारतीय चुनाव आयोग ने मीडिया नोडल अधिकारियों के लिए ओरिएंटेशन प्रोग्राम आयोजित किया

पंजाब की ओर से अतिरिक्त मुख्य निर्वाचन अधिकारी हरीश नैयर और लोक संपर्क अधिकारी नरिंदर पाल सिंह जगदियो ने लिया भाग

• **जालंधर ब्रीज.** चंडीगढ़

भारत के चुनाव आयोग ने बुधवार को सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के मीडिया नोडल अधिकारियों, सोशल मीडिया नोडल अधिकारियों और लोक संपर्क अधिकारियों के लिए इंडिया इंटरनेशनल इंस्टिट्यूट ऑफ डेमोक्रेसी एंड इलेक्शन मैनेजमेंट (आई आई आई डी ई एम), नई दिल्ली में एक दिवसीय ओरिएंटेशन कार्यक्रम का आयोजन किया। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम का उद्देश्य चुनाव अधिकारियों और मीडिया के बीच समन्वय को मजबूत करना और पूर्व-निर्धारित पहलों को आगे बढ़ाना था। इस कार्यक्रम में देश भर के 28 राज्यों और 8 केंद्र शासित प्रदेशों से मीडिया अधिकारियों ने भाग लिया। पंजाब से अतिरिक्त मुख्य निर्वाचन अधिकारी (एसीईओ) हरीश नैयर और सूचना एवं लोक संपर्क अधिकारी नरिंदर पाल सिंह जगदियो ने भाग लिया ।

ओरिएंटेशन कार्यक्रम का उद्देश्य विधिक ढांचे—जैसे जन प्रतिनिधित्व अधिनियम 1950 और 1951, मतदाता सूची नियम 1960, निर्वाचन नियम 1961 और चुनाव आयोग द्वारा समय-समय पर जारी दिशा-निर्देशों के तहत—विभिन्न मीडिया प्लेटफॉर्म्स के माध्यम से जानकारी

और सूचनाओं के प्रसार, गलत जानकारी का मुकाबला करने और मतदाता जागरूकता को प्रोत्साहित करने हेतु एक प्रभावशाली संचार रणनीति विकसित करना था।

अपने संबोधन में भारत के मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने चुनाव प्रक्रिया में मीडिया की भूमिका को महत्वपूर्ण बताते हुए, वर्तमान डिजिटल युग में मतदाताओं का चुनाव प्रणाली पर विश्वास बनाए रखने के लिए तथ्यों पर आधारित, समय पर और पारदर्शी संचार के महत्व पर बल दिया। उन्होंने कहा कि मीडिया अधिकारियों को इस दिशा में और अधिक सक्रिय होना पड़ेगा और पहल करते हुए यह सुनिश्चित करना होगा कि मतदाताओं तक सटीक, तथ्य-आधारित जानकारी पहुंचे। उन्होंने यह भी कहा कि किसी भी गलत सूचना, भ्रांति या अफवाह का मुकाबला केवल और केवल सत्य, सटीक और तथ्यपूर्ण जानकारी से ही किया जा सकता है और इस उद्देश्य की पूर्ति के लिए देश भर के मीडिया अधिकारी मीडिया के विभिन्न प्लेटफॉर्म्स का सुव्यवस्थित और सार्थक उपयोग करें।

भलाई योजनाओं में अतिरिक्त सहयोग व नीतिगत सुधार की मांग

कैबिनेट मंत्री डॉ. बलजीत कौर ने 'चिंतन शिविर' में रखी पंजाब की आवाज

• **जालंधर ब्रीज.** चंडीगढ़

समाजिक न्याय, अधिकारिता एवं अल्पसंख्यक मंत्री डॉ. बलजीत कौर ने देहरादून में भारत सरकार के सामाजिक न्याय एवं सशक्तिकरण मंत्रालय द्वारा आयोजित राष्ट्रीय चिंतन शिविर में पंजाब का प्रतिनिधित्व करते हुए कहा कि अनुसूचित जातियों, पिछड़े वर्गों और अल्पसंख्यकों से संबंधित महत्वपूर्ण मुद्दों को केंद्र सरकार के समक्ष दृढ़ता से उठाया गया है। सामाजिक न्याय और सशक्तिकरण मंत्रालय द्वारा आयोजित राज्यों एवं केंद्र शासित प्रदेशों की राष्ट्रीय समीक्षा सम्मेलन के दौरान डॉ. बलजीत कौर ने शिविर की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे मंच राज्यों को कल्याणकारी योजनाओं को लागू करने में आ रही चुनौतियाँ और नीतिगत रुकावटें साझा करने का महत्त्वपूर्ण अवसर प्रदान करते हैं। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान के नेतृत्व वाली पंजाब सरकार वंचित वर्गों के समग्र विकास के लिए पूर्णत: समर्पित और प्रतिबद्ध है।

पंजाब की ओर से चिंतन शिविर में उठाए गए मुख्य मुद्दे :

स्कॉलरशिप योजनाओं में सुधार की माँग: डॉ. बलजीत कौर ने स्कॉलरशिप योजनाओं की वर्तमान आय सीमा (2.50 लाख रुपये) को आज के आर्थिक परिप्रेक्ष्य में अनुचित बताते हुए इसमें वृद्धि की माँग की ताकि अधिक जरूरतमंद विद्यार्थियों को लाभ मिल सके। उन्होंने यह भी कहा कि वर्ष 2017 से 2020 तक की बकाया केंद्रीय राशि अब तक जारी नहीं की गई है, जिससे विद्यार्थियों और शैक्षणिक संस्थानों को कठिनाई हो रही है। उन्होंने केंद्र सरकार से यह राशि तुरंत जारी करने की अपील की। इसके साथ ही उन्होंने अन्य पिछड़ा वर्ग (ओ बी सी), आर्थिक रूप से पिछड़ा वर्ग (ई बी सी), और डी-नोटिफाइड जनजातियों (डी एन टी) वर्गो के विद्यार्थियों की बढ़ती शैक्षणिक जरूरतों को ध्यान में रखते हुए छात्रवृत्ति राशि में वृद्धि की माँग की। डॉ. कौर ने ज़ोर दिया कि विद्यार्थियों की वास्तविक कोर्स फीस और ट्यूशन फीस के अंतर को पूरा करना अत्यंत आवश्यक है, ताकि किसी भी जरूरतमंद विद्यार्थी की पढ़ाई आर्थिक कारणों से बाधित न हो।

आदर्श ग्राम योजना के लिए नियमित फंड जारी करने की माँग: डॉ. कौर ने बताया कि पंजाब में एस सी आबादी सबसे अधिक होने के कारण 3,293 गाँव आदर्श ग्राम योजना के अंतर्गत चुने गए थे, जिनके लिए 684 करोड़ रुपए की मंज़ूरी मिली थी, पर अब तक केवल 101 करोड़ रुपए ही जारी हुए हैं। उन्होंने केंद्र सरकार से शेष राशि शीघ्र जारी करने की अपील की ताकि गाँवों के बुनियादी ढाँचे में सुधार लाया जा सके। साथ ही उन्होंने प्रति गाँव अनुदान को 20 लाख रुपए से बढ़ाकर 1 करोड़ रुपए करने की सिफारिश भी की ताकि विकास कार्यों में गति और गुणवत्ता लाई जा सके।

आवास योजना में पारदर्शिता और निगरानी की आवश्यकता: डॉ. बलजीत कौर ने आवास योजना की सराहना करते हुए कहा कि यह योजना आर्थिक रूप से पिछड़े और एस सी वर्गों के लिए लाभकारी है, लेकिन पंचायत स्तर पर लाभार्थियों के चयन की प्रक्रिया में पारदर्शिता की कमी देखी गई है। अत: उन्होंने यह माँग की कि पात्र लाभार्थियों की पहचान और योजना की निगरानी की जिम्मेदारी सामाजिक न्याय विभाग को सौंपी जाए, ताकि लाभ न्यायपूर्ण तरीके से पहुँच सके।

राज्य सरकार की योजनाओं और नवाचारी पहलों पर प्रकाश: यहाँ डॉ. बलजीत कौर ने राज्य सरकार की भलाई योजनाओं की जानकारी देते हुए बताया कि अनुसूचित जातियों, पिछड़े वर्गों और आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों की बेटियों की शादी हेतु "आशीर्वाद योजना" के अंतर्गत 51,000 रुपए की राशि प्रदान की जाती है। यह सहायता एक परिवार की दो बेटियों तक उपलब्ध है, जिससे इन परिवारों को आर्थिक रूप से मजबूत करने में सरकार ने अहम कदम उठाया है।

'आप' की अक्षमता से स्वास्थ्य और शिक्षा दोनों क्षेत्रों को नुकसान पहुंचा है : प्रताप बाजवा

तुच्छ कार्यों से प्रचार पाने के बजाय आप को ईमानदारी से काम करना चाहिए: बाजवा

• **जालंधर ब्रीज.** चंडीगढ़

आम आदमी पार्टी के नेतृत्व वाली पंजाब सरकार को मशाहूरियां वाली सरकार कहते हुए, पंजाब विधानसभा में विपक्ष के नेता प्रताप सिंह बाजवा ने गुरुवार को स्वास्थ्य और शिक्षा के क्षेत्रों में प्रदर्शन करने में अक्षमता के लिए आप सरकार की आलोचना की। उन्होंने कहा, 'जब से आप ने पंजाब में सरकार बनाई है, वह पंजाब में स्वास्थ्य और शिक्षा के दिल्ली मॉडल को दोहराने पर तुली हुई है. हालांकि, अपने तीन साल के शासन में आप ने दोनों क्षेत्रों को अपूरणीय क्षति पहुंचाई है। इस बीच, स्थिति ऐसी है कि अस्पताल डॉक्टरों के लिए रो रहे हैं, और स्कूल कर्मचारियों और बुनियादी ढांचे के बिना चल रहे हैं।

कांग्रेस के वरिष्ठ नेता बाजवा ने कहा कि मुक्तसर जिले में हाल ही में नामित आयुष्मान आरोग्य केंद्रों के 24 आम आदमी क्लीनिकों में से चार में वर्तमान में डॉक्टर नहीं हैं, जिससे राज्य के कमजोर वर्ग के लोगों को स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान करने में बुरी तरह से बाधा आ रही है। पंजाब के बाकी हिस्सों में भी ऐसी ही स्थिति देखने को मिली है। सरकारी अस्पतालों में 1250 चिकित्सा अधिकारियों और 2690 विशेषज्ञों की कमी है। उन्होंने कहा, 'आप सरकार की एक और बहुप्रचारित परियोजना 'सिख्या क्रांति' खोखली साबित हुई है।

शिक्षकों और अन्य कर्मचारियों की भर्ती के बजाय, सरकार स्कूल के शौचालयों और चारदीवारी के नवीनीकरण के लिए प्रचार हासिल करने के लिए बेताब है.'

बाजवा ने कहा कि आप विधायक देविंदरजीत सिंह लाडी ढोस ने बुधवार को एक ही स्कूल में पांच पट्टिकाओं का उद्घाटन किया। हालांकि, धर्मकोट के जलालाबाद पूर्व के सरकारी सीनियर सेकेंडरी स्कूल में दो साल से अधिक समय से नियमित प्रिंसिपल नहीं है, और कक्षा 11 और 12 के लिए एक भी लेक्चरर नहीं है. इस बीच, पंजाब में सरकार द्वारा संचालित वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालयों में 44 प्रतिशत प्रधानाचार्यों के पद खाली हैं। क्या इसे आम आदमी पार्टी ने सिख्या क्रांति कहा है?

उन्होंने कहा, 'पंजाब में कई वरिष्ठ नौकरशाहों के पास कोई विभाग नहीं है। उनकी सेवाओं का उनकी क्षमता के अनुसार लाभ नहीं उठाया जा रहा है।

जालंधर रेलवे स्टेशन के पास फायरिंग, 3 लोगों के खिलाफ एफआईआर दर्ज

• **जालंधर ब्रीज.** जालंधर

एडीसीपी-1 जालंधर आकर्षि जैन ने रेलवे स्टेशन के पास देर रात हुई गोलीबारी की घटना के संबंध में जानकारी सांझा की। उन्होंने बताया कि एक व्यक्ति और तीन लोगों के समूह के बीच झगड़ा हुआ था। इस दौरान एक व्यक्ति द्वारा शॉट फायर किए गए। उन्होंने बताया कि सूचना मिलने पर पुलिस टीम तुरंत मौके पर पहुंची। उन्होंने कहा कि यह क्षेत्र जी.आर.पी. के अधिकार क्षेत्र में आता है और इस मामले में जी.आर.पी. द्वारा तीन अज्ञात व्यक्तियों के खिलाफ एफ.आई.आर. दर्ज की जा चुकी है। उन्होंने कहा कि पुलिस जांच कर रही है।

डिजिटल क्रॉप सर्वे से खेती में आएगा पारदर्शिता और सटीकता का नया युग : आशिका जैन

17 अप्रैल तक फसलों की ऑनलाइन गिरदावरी होगी

• **जालंधर ब्रीज.** होशियारपुर

डिप्टी कमिश्नर आशिका जैन ने डिजिटल क्रॉप सर्वे को कृषि क्षेत्र में क्रांतिकारी परिवर्तन की दिशा में एक

अहम कदम बताया है। उन्होंने कहा कि परंपरागत खसरा-गिरदावरी पद्धति को आधुनिक तकनीक से जोड़कर इसे अधिक पारदर्शी, सटीक और समयबद्ध बनाया जा रहा है। जिससे किसानों को वास्तविक लाभ मिल सकेगा। डिप्टी कमिश्नर ने बताया कि इस योजना के तहत पटवारियों को स्मार्टफोन आधारित 'डिजिटल क्रॉप सर्वे एप' से लैस किया गया है, जिसके माध्यम से वे खेतों में जाकर संबंधित खसरा नंबर डालकर वास्तविक फसल की तस्वीरें लेकर उन्हें तत्काल ऑनलाइन दर्ज कर सकेंगे। इससे न केवल भ्रामक या फर्जी रिपोर्टिंग पर लगाम लगेगी, बल्कि किसानों को भी वास्तविक आंकड़ों के आधार पर सरकार की योजनाओं और मुआवज़ों का सही लाभ मिलेगा।

डिप्टी कमिश्नर ने बताया कि जिले में यह अभियान तेज़ रफ्तार से प्रगति पर है। उन्होंने कहा कि पटवारियों की सीमित संख्या को देखते हुए नहरी विभाग, कृषि विभाग व भूमि संरक्षण विभाग के अधिकारियों व कर्मचारियों की सहायता ली जा रही है। उन्होंने स्पष्ट निर्देश दिए हैं कि 17 अप्रैल तक यह कार्य पूर्ण किया जाएगा। आशिका जैन ने जानकारी दी कि इस अभियान में 12वीं पास युवाओं को भी शामिल किया जा सकता है और उन्हें मेहनताना प्रदान किया जाएगा। इच्छुक युवा अपनी संबंधित तहसीलों में संपर्क

कर इस कार्य में भागीदार बन सकते हैं। यह उनके लिए एक सामाजिक योगदान के साथ रोजगार का अवसर भी है। उन्होंने कहा कि डिजिटल क्रॉप सर्वे से न केवल प्रशासनिक प्रक्रिया में सुधार और पारदर्शिता आएगी, बल्कि किसानों को भी समय पर सरकारी लाभ और मुआवज़ा मिल सकेगा, जिससे उनकी आर्थिक स्थिति भी सुदृढ़ होगी। डिप्टी कमिश्नर ने विश्वास जताया कि होशियारपुर जिला, डिजिटल क्रॉप सर्वे के सफल क्रियान्वयन में राज्य भर के लिए एक आदर्श मॉडल के रूप में उभरेगा।

एनसीसी चंडीगढ़ ग्रुप कमांडर ने कैडेटों से उत्कृष्टता के लिए प्रयास करने का किया आह्वान

• **जालंधर ब्रीज.** चंडीगढ़

"उत्कृष्टता और अनुशासन सफलता की पहचान हैं, और कैडेटों को इन मूल्यों के लिए प्रयास करते रहना चाहिए," यह आग्रह एनसीसी चंडीगढ़ ग्रुप कमांडर, ब्रिगेडियर वी.एस. चौहान ने चंडीगढ़ के सेक्टर 32 में गोस्वामी गणेश दत्ता सनातन धर्म कॉलेज (जीजीडीएसडी) में 60 एनसीसी कैडेटों को संबोधित करते हुए किया। यह दौरा कॉलेज के एनसीसी प्रशिक्षण और गतिविधियों में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर साबित हुआ, जिसमें ब्रिगेडियर चौहान को गार्ड ऑफ ऑनर का सम्मान दिया गया। ग्रुप कमांडर के संबोधन में राष्ट्र निर्माण और जिम्मेदार भावी नागरिकों को आकार देने में एनसीसी की महत्वपूर्ण भूमिका पर जोर दिया गया। उन्होंने कैडेटों की प्रतिबद्धता की सराहना की और उन्हें प्रशिक्षण के उच्च मानकों को बनाए रखने के लिए प्रोत्साहित किया। उन्होंने यह दौरा चंडीगढ़ एनसीसी ग्रुप की पंजाब, हरियाणा, हिमाचल प्रदेश और चंडीगढ़ क्षेत्र में शीर्ष स्थान हासिल करने की हाल ही की उपलब्धि के बाद किया। ब्रिगेडियर चौहान ने कॉलेज के अधिकारियों से बातचीत की, जिसमें प्रिंसिपल डॉ. अजय और एसोसिएट एनसीसी अधिकारी मेजर वरिंदर और लेफ्टिनेंट रितिका सिन्हा शामिल थे। एएनओ ने संस्थान की उल्लेखनीय उपलब्धियों और गतिविधियों में चल रही पहलों के बारे में विस्तृत जानकारी दी।

सीएसके के खिलाफ तूफानी पारी खेल प्रियांश आर्य ने रचा इतिहास, सराहना करते नहीं थक रहे दिग्गज

सिद्धू ने प्रियांश को लंबे समय तक इंटरनेशनल सर्किट में भारत का प्रतिनिधित्व करने का दावेदार बताया जबकि हरभजन सिंह ने कहा कि उन्होंने ऐसे बल्लेबाज नहीं देखे जो प्रियांश आर्य की तरह सीएसके के खिलाफ हावी हो सकें...

स्पोर्ट्स डेस्क. प्रियांश आर्य ने आईपीएल में शतक लगाने वाले पंजाब किंग्स के 14वें बल्लेबाज बनकर मुल्लांपुर के महाराजा यादवेंद्र सिंह इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम में धूम मचा दी। सीजन के 22वें मुकाबले में इस 24 साल के युवा बल्लेबाज ने चेन्नई सुपर किंग्स के खिलाफ 42 गेंदों में 103 रन की तूफानी पारी खेलकर इतिहास रच दिया। आर्य ने 39 गेंदों पर आईपीएल इतिहास का संयुक्त चौथा सबसे तेज शतक लगाया। आर्य ने टूर्नामेंट के इतिहास में किसी भारतीय बल्लेबाज द्वारा दूसरा सबसे तेज शतक लगाया। उनकी इस पारी की क्रिकेट जगत के दिग्गज सराहना करते नहीं थक रहे।

पंजाब किंग्स के पूर्व बल्लेबाजी कोच वसीम जाफर ने प्रियांश आर्य की तारीफ करते हुए कहा कि उन्होंने आईपीएल की अपनी चौथी पारी में ही शानदार प्रदर्शन किया। जाफर ने उम्मीद जताई कि वह इसी फॉर्म को जारी रखेंगे और जल्द ही भारत के लिए डेब्यू करेंगे। अपने यूट्यूब चैनल पर हाल ही में एक वीडियो में आकाश चोपड़ा ने प्रियांश आर्य को 'सुपरस्टार' करार दिया। उन्होंने कहा कि 24 साल के प्रियांश आर्य, सुपरस्टार अनकैप्ड भारतीय, जो आईपीएल शतक बनाने वाले चौथे सबसे तेज और शतक बनाने वाले दूसरे सबसे तेज भारतीय हैं। आईपीएल में यह पहली बार है जब टॉप-6 में से एक खिलाड़ी ने शतक बनाया है और बाकी सभी ने सिंगल-डिजिट स्कोर बनाए हैं। क्रिकबज लाइव पर बातचीत के दौरान साइमन डूल ने कहा कि मैंने महसूस किया कि आर्य की विस्फोटक मानसिकता के कारण उन्हें पीबीकेएस से मुफ्त लाइसेंस मिलना था। पूर्व भारतीय स्पिनर हरभजन सिंह ने अपने यूट्यूब चैनल पर मैच के बाद का विश्लेषण किया। हरभजन के अनुसार उन्होंने ऐसे बहुत से बल्लेबाज नहीं देखे हैं जो प्रियांश आर्य की तरह सीएसके के खिलाफ हावी हो सकें। पूर्व क्रिकेटर और आईपीएल में कमेंट्री कर रहे नवजोत सिंह सिद्धू ने प्रियांश आर्य को लंबे समय तक इंटरनेशनल सर्किट में भारत का प्रतिनिधित्व करने का दावेदार बताया। सिद्धू के लिए प्रियांश महान 'मास्टर ब्लास्टर' सचिन तेंदुलकर के बाद 'चमत्कार' होने के अपने मानदंडों पर खरा उतरने वाले दूसरे खिलाड़ी के रूप में उभरे हैं।

Printed, Published & Owner by ATUL SHARMA & Printed at DB Corp Ltd, Near Subhanpur Bus Stand,Hamira, Kapurthala-144802(Punjab) and Published from ATUL SHARMA, NN453 GOPAL NAGAR JALANDHAR (PUNJAB)
Editor : ATUL SHARMA*
*Responsible for selection of News under the PRB ACT. PUNHIN/2019/77863, All Rights Reserved. Reproduction in whole or in Part without permission is prohibited. All disputes shall be settled at Jalandhar jurisdiction only.